04 - घर छोड़ के मत जाओ कही घर न मिलेगा

05 - भाजपा की दिल्ली जीत सामाजिक स्वीकार्यता का...

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 11 फरवरी, 2025

06 - जिले में 660 उचित मूल्य दुकानें, हर माह हितग्राहियों को मिलता...

07 - 'सिंधिया' का ऐसा भी अंदाज, दिल जीत लेगा

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 132, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

पुण्यतिथि विशेष

पंडित दीनदयाल जी का आर्थिक चिंतन और समर्थ समाज का निर्माण

डॉ. मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का दर्शन देने वाले विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, एकात्म मानव दर्शन तथा अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ऋषि-राजनेता रहे जिन्होंने राजनैतिक चिंतन के लिए एकात्म मानवदर्शन का सूत्र दिया और शासन की नीतियां बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। दीनदयाल जी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्र जीवन दर्शन के दृष्टा हैं। पंडित जी द्वारा लगाए गए जनसंघ के पौधे का विस्तार विचार के रूप में देश ही नहीं दुनिया में भी हुआ है। उन्होंने एक ऐसी राजनैतिक धारा निर्मित की जिसका लक्ष्य राष्ट्र निर्माण है। उनका मानना था कि राजनीति सत्ता के लिए नहीं अपितु समाज की सेवा के लिए हो,स्वतंत्रता के साथ भारत राष्ट्र की यात्रा भारतीय दर्शन के अनुरूप होनी चाहिए।

पंडित जी ने भारत के भविष्य की कल्पना वेदों में वर्णित चार पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के आधार पर की थी। यह चारों पुरुषार्थ मन, बुद्धि, आत्मा और शरीर के संतुलन से संभव है। इससे ही एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।पहला पुरुषार्थ धर्म है जिसमें शिक्षा, संस्कार और व्यवस्था है तो दूसरे अर्थ में साधन, संपन्नता और वैभव आता है। अर्थ उपार्जन सही तरीके से हो, इसके लिये पंडित दीनदयाल जी ने मानव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस तरह धर्मानुकूल, अर्थात् उचित मार्ग से अर्थ उपार्जन करने का मार्ग प्रशस्त किया। तीसरा पुरुषार्थ है काम, जिसमें मन की समस्त कामनाएं शामिल हैं। मनुष्य को संतुलित, समयानुकूल और सकारात्मक स्वरूप में कार्य करना चाहिए। चौथा पुरुषार्थ है मोक्ष, अर्थात संतोष की परम स्थिति। यदि व्यक्ति संतोषी होगा तो वह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। इन चार पुरुषार्थों की अवधारणा के अनुसार, यदि व्यक्ति और समाज को विकास के अवसर दिये जायें तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

पंडित दीनदयाल जी ने राष्ट्र निर्माण और भविष्य की संकल्पना को लेकर गहन चिंतन किया, जिसमें भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुरूप राष्ट्र की चित्ति से विराट तक की कल्पना थी। उनके विकास का आधार एकात्म मानव दर्शन है। इसमें संपूर्ण जीवन की रचनात्मक दृष्टि समाहित है। उन्होंने विकास की दिशा को भारतीय संस्कृति के एकात्म मानवदर्शन के मूल में खोजा। हमारी संस्कृति संपूर्ण जीवन, संपूर्ण सृष्टि का समग्र विचार करती है। यही एकात्म भाव व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है।

यही पंडित दीनदयाल जी के विकास का व्यापक पक्ष है, सार्वभौम है, प्रासंगिक है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा से लेकर आज के ग्लोबलाइज्ड युग का समावेश है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल जी की परिकल्पना को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। दीनदयाल जी का मानना था कि अर्थव्यवस्था जितनी विकेन्द्रीकृत होगी उतनी नीचे तक जाएगी और यही स्वदेशी भाव के साथ सृजन का आधार होगा।

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास को लेकर जो कदम उठाये जा रहे हैं उसके मूल में दीनदयाल जी का अर्थदर्शन ही है। पंडित दीनदयाल जी ने भारत की कृषि, उद्योग, शिक्षा और आर्थिक नीति कैसी हो इन सबका विस्तार में उल्लेख किया है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने दीनदयाल जी के आर्थिक चिंतन को धरातल पर उतारा है। उनके मार्गदर्शन में हम विरासत से विकास की अवधारणा को लेकर आगे बढ़ रहे हैं जो अंत्योदय लक्ष्य को पूर्ण करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। दीनदयाल जी का कहना था कि जब तक अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का कल्याण नहीं हो जाता तब तक विकास सही अर्थों में संभव नहीं है। इसी भाव को धरातल पर उतारते हुए मध्यप्रदेश में 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया इससे प्रदेश के हर अंचल, हर क्षेत्र के लोगों की आवश्यकता, क्षमता, मेधा और दक्षता को अवसर मिलेगा। प्रदेश का हर व्यक्ति इससे जुड़ेगा और विकास की धारा में शामिल होगा। यह समिट एक तरफ जहां प्रदेश के कोने-कोने से और गांव-गांव से लोगों को उद्योग से जोड़ेगी वहीं विश्व पटल पर उनके उत्पादों को पहचान दिलायेगी। इसके लिये हमने यूके, जर्मनी और जापान की यात्रा की है। हैदराबाद, कोयंबटूर तथा मुंबई में रोड-शो कर उद्योगपतियों को निवेश के लिये आमंत्रित किया है। क्षेत्रीय से लेकर ग्लोबल स्तर तक उद्योग के लिये किया गया यह पहला नवाचार है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हम 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रहे हैं। यह समिट दीनदयाल जी के स्वदेशी और विकेन्द्रीकरण के चिंतन को सार्थक करेगी। हमारे उद्योग और व्यवसाय की श्रृंखला में अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ पायेगा और अंत्योदय का लक्ष्य पूर्ण होगा।

दीनदयाल जी ने विकास को लेकर कल्पना की थी कि विश्व का ज्ञान और आज तक की अपनी संपूर्ण परंपरा के आधार पर हम गौरवशाली भारत का निर्माण करेंगे। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक देश को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश को समृद्ध और संपन्न बनाने के लिये लोकल से ग्लोबल को जोड़ने का जो प्रयास किया है उसके परिणाम ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दिखाई देंगे। मुझे विश्वास है कि हमारा यह प्रयास पंडित दीनदयाल जी के आर्थिक विकास के चिंतन अनुरूप विकसित मध्यप्रदेश निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आग़ाज़ तो होता है
अंजाम नहीं होता
जब मेरी कहानी में वो
नाम नहीं होता
जब जुल्फ़ की कालक में
घुल जाए कोई राही
बदनाम सही लेकिन
गुमनाम नहीं होता
हँस हँस के जवाँ दिल के
हम क्यूँ न चुनें टुकड़े
हर शख़्स की क़िस्मत में
इनाम नहीं होता
दिल तोड़ दिया उस ने ये
कह के निगाहों से
पत्थर से जो टकराए वो
जाम नहीं होता
दिन डूबे है या डूबी
बारात लिए कश्ती
साहिल पे मगर कोई
कोहराम नहीं होता ...!!

– मीना कुमारी

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने फोकस के लिए दिया क्रिकेट मंत्र

कहा- सिर्फ बॉल पर फोकस करें, शोर पर नहीं, पेरेंट्स पढ़ाई का प्रेशर न डालें

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा पे चर्चा के आठवें एडिशन में पीएम नरेंद्र मोदी ने 10वीं ओर 12वीं के स्टूडेंट्स से बोर्ड एग्जाम्स को लेकर बातचीत की।

पीएम ने स्टूडेंट्स से कहा- सबसे पास दिन में 24 घंटे ही होते हैं। कोई इतने ही समय में सब-कुछ कर लेता है, तो कोई यही कहता रहता है कि समय नहीं है। ऐसे में टाइम मैनेजमेंट सीखना बहुत जरूरी है।

पेरेंट्स-टीचर्स बच्चों की भावनाओं को समझें- परिवार बच्चों को प्रेशर देता है। बच्चे को आर्टिस्ट बनना है तो कहते हैं कि इंजीनियर बनो। माता-पिता आप अपने बच्चों की इच्छाओं को समझिए, क्षमताओं को समझिए। मदद कीजिए।

टारगेट ऐसा बनाएं जो पहुंच में हो, पकड़ में नहीं- ज्यादातर लोग खुद से स्पर्धा नहीं करते, दूसरे से करते हैं। जो खुद से स्पर्धा करता है, उसका विश्वास कभी टूटता नहीं।

बॉडी पर कंट्रोल सीखने के लिए प्राणायाम करें- झरने की आवाज सुनिए। आपको आवाज सुनाई दे रही है। आप लोगों को मेडिटेशन करना चाहिए। चिंता से निकलने के लिए प्राणायाम कीजिए।

बच्चों को किताबों का जेलखाना नहीं, खुला आसमान चाहिए- आप डांस करते हैं तो कैसा लगता है, अच्छा लगता है ना? बच्चों को दीवारों में बंद करके किताबों का ही जेलखाना बना देंगे तो बच्चे कभी भी विकास नहीं कर पाएंगे। उन्हें खुला आसमान चाहिए।

टीचर को बच्चों की ताकत पहचाननी होगी- मैं अहमदाबाद में स्कूल में गया एक बच्चे के मां-बाप ने चिट्ठी लिखी थी कि उसे निकाल रहे हैं। बाद में टिंकरिंग लैब शुरू हुआ, वो बच्चा उसमें समय बिताने लगा।

महाकुंभ में महाजाम

संगमनगरी को जोड़ने वाले सभी जिलों में भी रेंग रहे थे वाहन

● प्रयागराज के हर एंट्री पॉइंट पर 20 किमी तक गाड़ियां फंसी, 5 किमी का सफर 8 घंटे में ● जाम से कराह रही हैं एमपी की सड़कें ● श्रद्धालुओं का कहना है कि महाकुंभ डुबकी लगाए बिना नहीं लौटेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। बसंत पंचमी स्नान के बाद से प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। रविवार को हालत बिगड़ गए थे, सोमवार को भी यह स्थिति थी। शहर से लेकर वाराणसी, मिर्जापुर, लखनऊ और रीवा हाईवे समेत 7 एंट्री पॉइंट पर 20 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई थीं।

हम तेलंगाना से आ रहे, बस प्रयागराज पहुंचना है... 24-24 घंटे से फंसे हैं लोग- प्रयागराज महाकुंभ को लेकर मध्य प्रदेश की सड़कों पर भी दबाव बढ़ गया है। दूसरे राज्यों के लोग भी मध्य प्रदेश के रास्ते महाकुंभ जा रहे हैं। इसकी वजह से जबलपुर समेत एमपी के कई जिलों में जाम की स्थिति है। जबलपुर सिहोरा हाईवे पर लोग कई घंटों से जाम में फंसे हैं। हालांकि अब गाड़ियां निकलने लगी हैं।

माघी पूर्णिमा पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा- माघी पूर्णिमा पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। पुलिस ने एकल दिशा प्लान को लागू कर दिया है। कई सड़कों को बंद कर दिया गया है। सिविल लाइंस हनुमान मंदिर चौराहे से जानसेनगंज जाने वाले सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। इसी संगम प्लेस, पैलेस, लोहिया मार्ग, जीएचस रोड, पत्रिका मार्ग सहित सभी सड़कों पर आवागमन बंद करके सिविल लाइंस मुख्य मार्ग पर ही आवागमन की व्यवस्था की गई है। मेले से सीधे स्टेशन और रोडवेज स्टेशन जाने वाले मुख्य मार्ग की ही खुले हैं। शार्टकट से जाने वाले लिंक मार्गों को बंद कर दिया गया है।

● **एमपी रीवा में 5 किमी लंबे जाम में फंसे कुंभयात्री, चाकघाट में 48 घंटे से 3000 गाड़ियां थमीं-** 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा के मौके पर प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए देशभर से भीड़ उमड़ रही है। प्रयागराज शहर में आने के सातों रास्तों पर जाम के हालात हैं। रीवा में उत्तर प्रदेश बॉर्डर से सटे मनगवां-गंगेव रोड पर पिछले 48 घंटे से जाम लगा है। चाकघाट पर सोहागी पहाड़ी से पहले करीब 5 किलोमीटर तक 3000 से ज्यादा गाड़ियां फंसी हैं। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि प्रयागराज में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्हें बीच-बीच में पॉइंट बनाकर होल्ड करना जरूरी हो गया है ताकि लोग बारी-बारी से आगे बढ़ सकें। जल्द ही ट्रैफिक क्लियर करा लिया जाएगा। सीएम ने की श्रद्धालुओं से अपील

सोनिया गांधी राज्यसभा में बोलीं

14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा कानून से वंचित सरकार जल्द से जल्द जनगणना करवाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का सोमवार को सातवां दिन है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने कहा कि 14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा कानून से बाहर हैं। उन्हें इस कानून के दायरे में लाना चाहिए। सोनिया ने सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द जनगणना करवानी चाहिए। सोनिया गांधी ने राज्यसभा में कहा, सितंबर 2013 में यूपी सरकार द्वारा पेश किया गया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम देश की 140 करोड़ आबादी के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल थी।

सीएम ने सिंगल क्लिक से 1553 करोड़ रुपए किए ट्रांसफर

देवास (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को देवास जिले के पीपलरावां गांव से प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि एक-दो किस्त के बाद लाड़ली बहना योजना बंद हो जाएगी। लेकिन हम इस योजना को लगातार चला रहे हैं। धीरे-धीरे 3 हजार रुपए तक की राशि आपके खाते में आने वाली है।

सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने बड़े समाज का अपमान किया, इसलिए आज उनकी ऐसी हालत है। हमने चुनाव में जो वादे किए थे, वो सब पूरे करेंगे। इस बार 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी करेंगे। किसानों को किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं है।

144 करोड़ के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 56 लाख हितग्राहियों को 337 करोड़ रुपए और किसान कल्याण योजना के तहत 81 लाख किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। मुख्यमंत्री यादव ने 144 करोड़ रुपए की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें 102 करोड़ रुपए के 37 कार्यों का लोकार्पण और 42 करोड़ रुपए के 16 नए कार्यों का शिलान्यास शामिल हैं। डॉ. यादव इस अवसर पर लाभार्थियों से सीधा संवाद भी किया। उन्होंने जिलों के कुछ गांवों के नाम बदलने की बात भी कही।

उनके लोग कुंभ में स्नान करने तक नहीं गए: सीएम

सीएम डॉ. यादव ने कांग्रेस को लेकर कहा कि ये लोग सभी लोगों को गरीब रखना चाहते हैं। मोदी जी केन-बेतवा लिंक परियोजना का उद्घाटन करने आए, तब भी पप्पू के लोगों ने अड़ंगा डाला। हम किसी का बुरा नहीं करना चाहते हैं। हर हाथ काम, हर गांव पानी हो, यह हमारी सरकार का उद्घोष वाक्य है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के लोग सबका बुरा करना चाहते हैं। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि उनके लोग कुंभ में स्नान करने तक नहीं गए।

गांधी का नाम लेकर कांग्रेस का काम चल रहा है

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि एक पप्पू और उसकी मुन्नी, चप्पू चलाए तो गाड़ी कैसे चले? गांधी का नाम लेकर उनका काम चल रहा है। गांधी का नाम तो कहां गया पता नहीं? पूरे देश में झूठ बोलकर हर जगह खेल हो रहे हैं। कांग्रेस ने भगवान राम के प्रति दुर्भावना पाल रखी है। उन्होंने कुंभ स्नान को लेकर तंज कसते हुए कहा कि लगता है, कांग्रेस वाले नहाते नहीं है। उनके नसीब में भी नहीं है स्नान करना।

कोई गांव खाली नहीं रहेगा, हर जगह पानी पहुंचेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने योजना बनाई कालीसिंध नदी के लिए, इसमें 13 जिले जुड़े हैं। कोई गांव खाली नहीं रहेगा, हर जगह पानी पहुंचेगा। रोजगार के लिए सरकार काम कर रही है, जिसके लिए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट करने वाले हैं।

तेजस हवा में 360 डिग्री घूमा, सुखोई का आसमान में करतब, सूर्य किरण से निकले 3 रंग

बेंगलुरु में एयरो इंडिया-2025 शो

बंगलूरू (एजेंसी)। बेंगलुरू में येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण का समारोह चल रहा है। जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित भी किया है। इस दौरान राजनाथ सिंह ने वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़े देश के तौर पर भारत हमेशा शांति और स्थिरता का हिमायती रहा है। तेजस हवा में 360 डिग्री घूमा और सुखोई का आसमान में करतब दिखाया, सूर्य किरण से निकल रहे थे 3 रंग।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हमारे लिए भारतीय सुरक्षा या भारतीय शांति अलग-थलग नहीं है। सुरक्षा, स्थिरता और शांति साझा निर्माण हैं जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। (एयरो इंडिया में) विदेशी देशों के हमारे मित्रों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि हमारे साझेदार एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार,11 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राष्ट्रपति मुर्मू ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

- अक्षयवट और श्री बड़े हनुमान जी का किया दर्शन

प्रयागराज (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने संगम में 3 डुबकी लगाई। भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। स्नान से पहले मां गंगा को पुष्प अर्पित किए। मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद राष्ट्रपति लेटे हनुमान मंदिर पहुंचीं और आरती की, फिर अक्षयवट धाम पहुंची और दर्शन-पूजन किया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी भी हैं।

राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे

बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी ने स्वागत किया। वहां से अरैल पहुंचीं, फिर बोट से संगम पहुंचीं और स्नान किया। द्रौपदी मुर्मू देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने महाकुंभ में स्नान किया। इससे पहले, 1954 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।

प्रयागराज पहुंचने पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से राष्ट्रपति अरैल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन और इससे जुड़ी अनेक व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी।

50-50 लाख के गहने पहनकर पहुंचीं युवतियां

जूनियर असिस्टेंट बनी मिस मूमल, 4 फीट की मूंछें, विदेशी टूरिस्ट ने मुंह पर बांधा साफा

जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर में सोमवार को डेजर्ट फेस्टिवल का आगाज भगवान लक्ष्मीनाथजी के मंदिर में आरती से हुआ। सुबह 9 बजे गड़ीसर लेक से निकली शोभायात्रा में बीएसएफ का कैमल माउंटेड बैंड मुख्य आकर्षण रहा।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग में जूनियर असिस्टेंट कोमल सिद्ध ने मिस मूमल का खिताब जीता। उन्होंने 50 लाख के राजस्थानी गहने पहने थे।

मिसेज जैसलमेर प्रतियोगिता में चूरू और पाली की प्रतिभागियों ने एक करोड़ से अधिक के गहनों से श्रृंगार किया। साफा बांधो प्रतियोगिता में विदेशी सैलानियों का मजेदार अंदाज देखने को मिला, जब एक विदेशी प्रतिभागी के पूरे मुंह पर साफा बांध लिया। नाथू सिंह ने महज एक मिनट में परफेक्ट राजस्थानी साफा बांधकर विजेता का खिताब जीता।

पंजाब कांग्रेस का दावा-

30 आप विधायक हमारे संपर्क में

केजरीवाल ने सभी विधायक दिल्ली बुलाए सीएम मान ने कैबिनेट मीटिंग टाली

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पंजाब में भी उथल-पुथल शुरू हो गई है। पंजाब कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने दावा है कि आम आदमी पार्टी (आप) के 30 विधायक उनके संपर्क में हैं। इसी बीच आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के विधायकों को दिल्ली बुलाया है। वे मंगलवार (11 फरवरी) सुबह 11 बजे कपूरथला भवन में सभी विधायकों से मिलेंगे। सीएम भगवंत मान और सभी मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

'मैं बचपन से साध्वी हूं और आगे भी रहूंगी...'

प्रयागराज (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी ने आज किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। जब से ममता को महामंडलेश्वर बनाया गया, तब से नया विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद अब उन्होंने इस्तीफे का एलान कर दिया।

रॉकेट से किया जाएगा विस्फोट

एक-दो नहीं 12 जगहों पर मिले उ.प्र.में तेल भंडार के संकेत, ड्रिलिंग का काम हुआ शुरू

लखनऊ/गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा नवाबगंज क्षेत्र के तटीय इलाकों में जमीन के अंदर प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने की संभावना जताई जा रही है। ओएनजीसी (ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन) ने इसकी पुष्टि के लिए सेस्मिक सर्वे व थ्रीडी मैपिंग शुरू कराई है। प्रक्रिया शुरू होने पर लोगों ने भविष्य की उम्मीदों को संजोना शुरू कर दिया है। ओएनजीसी की तरफ से अल्फा जियो इंडिया लि. ने क्षेत्र के उमरिया, होलापुर काजी, कल्यानपुर सहित एक दर्जन इलाकों में जमीन के अंदर खनिज भंडार मिलने की संभावनाओं को देखते हुए सर्वे के लिए जमीन में ड्रिल करने का काम शुरू किया है। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एंड कंसल्टेंट टू पेट्रोलियम एडवाइजर मृत्युंजय सिंह ने बताया कि भू वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट से सभी क्षेत्रों का सर्वे किया था। सैटेलाइट सर्वे में उक्त एक दर्जन इलाकों में प्राकृतिक

गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने के संकेत मिले हैं।

रॉकेट से किया जाएगा विस्फोट- इन सभी स्थानों पर जमीन के अंदर 100 फिट गहराई में ड्रिल करके उसके अंदर रॉकेट से विस्फोट किया जाएगा। रॉकेट जमीन में करीब पांच से सात किलोमीटर नीचे तक जाएगा। इससे उठने वाली तरंगों का सेंसर मशीन से सर्वे कर डाटा इकट्ठा किया जाएगा। सेंसर का डाटा परीक्षण के लिए ओएनजीसी भेजा जाएगा।

सर्वे टीम ने डाला डेरा- अल्फा जियो कंपनी ने ओएनजीसी द्वारा बताए गए प्वाइंट्स पर सर्वे करने वाली टीम के साथ डेरा डाल दिया है।

डीएम ने खुदाई और सर्वे की दी अनुमति

अल्फा जियो इंडिया लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर केएम राव ने गत माह डीएम नेहा शर्मा को पत्र देकर कार्रवाई के बारे में अवगत कराते हुए अनुमति मांगी थी। इस पर डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र के गांवों में सेस्मिक सर्वे व थ्रीडी मैपिंग के लिए जनवरी में ही अनुमति दे दी थी। सहयोग के लिए एडीएम आलोक कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है।

गया वालों की चमकेगी किस्मत!

कल सीएम नीतीश देंगे 14000 करोड़ की सौगात

पटना (एजेंसी)। मोक्ष और ज्ञान की भूमि पर 13 फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन होना है। मुख्यमंत्री का आगमन 'प्रगति यात्रा' को लेकर हो रहा है। गयाजी की भूमि पर प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विकास की पटकथा लिखने वाले हैं। 13 फरवरी को मुख्यमंत्री का दिनभर कार्यक्रम तय है। आशा की जा रही है कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से गया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट आएंगे। इसके बाद जिला मुख्यालय से लेकर इमामगंज, बोधगया जाएंगे। इन स्थलों के भ्रमण के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से जिला मुख्यालय स्थित मॉडल प्रभावती अस्पताल आएंगे। जहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल प्रभावती अस्पताल का लोकार्पण होगा। साथ ही, अस्पताल परिसर में बड़े पैमाने पर मुख्यमंत्री का लोकार्पण व शिलान्यास करने का कार्यक्रम है।

प्रमोद भार्गव के नवीन उपन्यास 'आर्यावर्त' का दिल्ली पुस्तक मेले में हुआ लोकार्पण

शिवपुरी। विश्व पुस्तक मेला दिल्ली में प्रमोद भार्गव के नए महत्वपूर्ण उपन्यास 'आर्यावर्त' का प्रकाशन संस्थान के स्टॉल पर लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथाकार और पत्रकार हरीश पाठक, देश के जाने माने फिल्म, पुस्तक एवं कला समीक्षक रविंद्र त्रिपाठी, ककसाड़ पत्रिका की संपादक एवं लेखिका कुसुमलता सिंह, कौशलेंद्र घुरैया और प्रकाशन संस्थान के निदेशक हरिश्चंद्र शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर हरीश पाठक ने कहा कि हमारे पुराने साथी प्रमोद भार्गव साहित्य, पत्रकारिता और विज्ञान विषयों के लेखन में सतत सक्रिय हैं। उनका उपन्यास दशावतार जहाँ दशवतारों को जहां जैविक विकास के क्रम में देखता है, वहीं आर्यावर्त उपन्यास आर्यों को मूल भारतीय होने की मान्यता देता है। रविंद्र त्रिपाठी ने कहा प्रमोद भार्गव ने शिवपुरी जैसी छोटी जगह में रहकर साहित्य और पत्रकारिता क्षेत्र में बड़ी जगह बनाई है। यह उपलब्धि उन्होंने निरंतर लेखन करते हुए बनाई है। कुसुमलता सिंह ने कहा प्रमोद भार्गव हमारी पत्रिका ककसाड़ से शुरुआत से ही जुड़े हैं। उनका लेखन विलक्षण और अमूल्य है। प्रमोद भार्गव ने कहा ,यह उपन्यास आयातित उस अवधारणा को अस्वीकार करता है ,जिसमें बाहर से आए आर्यों को हमलावर के रूप में दिखाया गया है। आर्य और अनार्य मूल भारतीय थे। ऋग्वेद में इन्हीं का परस्पर युद्ध और वैदिक सभ्यता की स्थापनाएं हैं। अंत में प्रकाशन संस्थान के निदेशक हरिश्चंद्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री

बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखें ताकि बच्चे तनाव मुक्त रहे

भोपाल(नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम देश के समस्त छात्र-छात्राओं को उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 सागर में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा देखा। श्री राजपूत ने

बच्चों से कहा कि टाइम को मैनेज करना सीखें तथा टारगेट बड़ा रखें तो परीक्षा छोटी लगने लगेगी।

मंत्री श्री राजपूत ने बच्चों से कहा कि परीक्षा हमारी मित्र है जो हमारे लिए आत्म-विश्वास तथा आगे बढ़ने का काम करती है। आज के बच्चे बहुत इंटेलिजेंट हैं। बस जरूरत है उनके आत्म-विश्वास को बढ़ाने की तथा उनके अंदर के हुनर को पहचानने की। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे प्रधानमंत्री मिले जो बच्चों की परीक्षा के लिए भी चिंतित हैं तथा बच्चों के लिए वह परीक्षा में उत्तीर्ण होने तथा तनाव मुक्त रहने के सुझाव दे रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री छोटी से छोटी समस्या को लेकर भी चिंतित रहते हैं। उन्होंने बच्चों तथा उनके अभिभावकों को तनाव मुक्त रहने के जो टिप्स दिए हैं यह बहुत ही प्रेरक तथा आत्मविश्वास से भरने वाले हैं।

सभी बच्चे प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दिए गए टिप्स को फॉलो करें और तनाव मुक्त रहकर परीक्षा दें। श्री राजपूत ने कहा कि यह परीक्षा केवल बच्चों की नहीं बल्कि अभिभावकों की भी होती है इसलिए अपने बच्चों से मित्रवत व्यवहार करते हुए उन्हें सुरक्षात्मक तनाव मुक्त माहौल प्रदान करें।

शिक्षक बढ़ाएं बच्चों का आत्मविश्वास

मंत्री राजपूत ने कहा कि परीक्षा में शिक्षकों तथा स्कूल प्रबंधन की बहुत अहम भूमिका है। आप सभी के मार्गदर्शन तथा शिक्षण कार्य से ही बच्चे आगे बढ़ाते हैं। परीक्षा के दौरान शिक्षक बच्चों का उत्साहवर्धन करें तथा आत्मविश्वास बढ़ाएं। शिक्षक सभी छात्रों की योग्यता को पहचानते हैं। छात्र तथा अभिभावकों के बीच शिक्षक महत्वपूर्ण कड़ी हैं जो दोनों में सामंजस्य स्थापित करते हैं। शिक्षक गण भी अभिभावकों को बच्चों की मनः स्थिति के बारे में जानकारी दें।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक केवी, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक के प्राचार्य मनीष गुप्ता सहित सभी शिक्षक एवं स्कूली छात्र छात्राएं मौजूद थे।

भोपाल में डेढ़ हजार स्थानों पर अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां, यहां बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के दाम

भोपाल। शहर में डेढ़ हजार से अधिक स्थानों पर बढ़ीं हुई दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इन पर प्रापर्टी के दाम बढ़ाए जा सकते हैं। दरअसल पंजीयन और राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा एआई की मदद से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के आधार पर ही कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 के प्रस्ताव को तैयार किया जाएगा। पंजीयन विभाग के सूत्रों के अनुसार,वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो हजार से अधिक स्थानों पर सर्वाधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं। इनमें से शहरी क्षेत्र में एक हजार 500 और ग्रामीण क्षेत्र करीब 500 स्थान शामिल हैं। बता दें कि पिछले साल दूसरी बार प्रापर्टी के दाम बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था लेकिन बिल्डर और जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए विरोध के चलते इस पर रोक लग गई थी लेकिन अब नये सिरे से गाइडलाइन तैयार की जा रही है।

पीएम मोदी फ्रांस और अमेरिका दौरे पर रवाना

बोले- ट्रम्प से मिलने के लिए उत्साहित साझेदारी को बढ़ाव, एजेंडे में शामिल

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर रवाना हो गए हैं। पीएम का यह दौरा 10 से 14 फरवरी तक है। वे आज और कल फ्रांस के दौरे पर रहेंगे। इसके बाद 12 और 13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को लेकर पीएम ने कहा- राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर मैं 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा पर रहूंगा। मैं पेरिस में एआई समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हूं। फ्रांस से मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निमंत्रण पर अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाऊंगा।

गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट ने की कार्रवाई

- दिल्ली समेत राज्यों के मुख्य सचिव तलब
- राज्यों ने नहीं किया आदेशों का अनुपालन
- आयुष मंत्रालय ने जारी की थी अधिसूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुर्वेदिक, सिद्ध एवं यूनानी दवाओं के गैरकानूनी विज्ञापनों के विरुद्ध कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली, आंध्र प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों की आलोचना की और उनके मुख्य सचिवों को तलब किया।

जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि उसके आदेशों का शायद ही अनुपालन हुआ है। पीठ ने मुख्य सचिवों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अदालत में पेश होकर यह बताने को कहा कि इन राज्यों ने आदेशों का अनुपालन क्यों नहीं किया।

- **आदेश नहीं मान रहे राज्य-** न्याय मित्र के रूप में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि ज्यादातर राज्यों ने उल्लंघकर्ताओं की माफी स्वीकार करके और शपथ पत्र लेकर उन्हें बरी कर दिया है। पीठ ने कहा, न्याय मित्र ने सही ही कहा है कि आयुर्वेदिक, सिद्ध या यूनानी दवाओं के गैरकानूनी विज्ञापनों के मुद्दे से काफी हद तक निपट लिया जाएगा, अगर सभी राज्य ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के रूल 170 को सही भावना से लागू करना प्रारंभ कर दें। इस अदालत द्वारा जारी कई आदेशों के बावजूद राज्य उनका अनुपालन नहीं कर रहे।
- **सात मार्च को होगी सुनवाई-** मामले की अगली सुनवाई सात मार्च को होगी। ये मामला आयुष मंत्रालय द्वारा पिछले साल अगस्त में आयुष मंत्रालय की अधिसूचना

पर शीर्ष अदालत द्वारा रोक लगाने से जुड़ा है। इसमें नियम 170 को विवादास्पद रूप से छोड़ दिया गया था। अदालत ने अधिसूचना को 7 मई 2024 के आदेश का उल्लंघन बताया था। उस आदेश में अदालत ने कहा था कि कोई भी विज्ञापन जारी करने से पहले केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के तहत सेल्फ डिक्लेरेशन देना होगा।

- **निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर होगी सुनवाई-** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह रेबीज रोगियों के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु के अधिकार की मांग करने वाली याचिका पर दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। यह मामला जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष आया। एनजीओ ऑल क्रिएचर्स ग्रेट एंड स्मॉल ने दिल्ली हाईकोर्ट के जुलाई 2019 के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसमें केंद्र और अन्य प्राधिकारियों को रेबीज को असाधारण बीमारी मानने और रोगियों को सम्मान के साथ मृत्यु का विकल्प देने का निर्देश देने से इन्कार कर दिया गया था।
- **2020 में कोर्ट ने दिया था नोटिस-** निष्क्रिय इच्छामृत्यु चिकित्सा उपचार को रोकने या वापस लेने का कार्य है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को मरने की अनुमति देने के उद्देश्य से जीवनरक्षक उपकरणों को बंद कर देने या हटा लेने जैसे उपाय शामिल होते हैं। जनवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया और 2019 में दायर याचिका पर उनसे जवाब मांगा था। सोमवार को याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि केंद्र ने 2018 में इस मामले में हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। पीठ ने कहा कि दो सप्ताह बाद सुनवाई की जाएगी।

इंदौर के ब्लड कॉल सेंटर में 4.50 लाख डोनर्स

ब्लड के लिए महिला को परेशान देख हुई थी शुरुआत

देशभर से आते हैं मदद के कॉल्स

इंदौर (नप्र)। इंदौर का एक ऐसा ब्लड कॉल सेंटर है जो रोजाना 50 से ज्यादा लोगों को निःशुल्क ब्लड उपलब्ध करा रहा है। देशभर से यहां कॉल आते हैं, ब्लड की डिमांड आने के बाद ये सेंटर वहीं के आसपास के ब्लड डोनर को पेशेंट की मदद के लिए भेजते हैं। इस ब्लड कॉल सेंटर के पास साढ़े चार लाख से ज्यादा ब्लड डोनर हैं, जो जरूरत पड़ने पर निःशुल्क ब्लड डोनेट करते हैं। हम बात कर रहे हैं रेडक्रास द्वारा संचालित ब्लड कॉल सेंटर की।

यह ब्लड कॉल सेंटर गंगवाल बस स्टैंड के समीप है। पिछले 18 सालों से यह ब्लड कॉल सेंटर संचालित हो रहा है। सेंटर के संचालक अशोक नायक ने बताया कि 2007 में इसकी शुरुआत हुई थी। उस समय वे उनके नाना का इलाज कराने के लिए अस्पताल जाया करते थे। वहां पर उन्हें महिला को ब्लड के लिए परेशान होते देखा, अशोक ने उन महिला की मदद की उसके बाद से उन्होंने लोगों की मदद करने का बीड़ा उठाया। एक कमरे में वे जहां सिलाई करते थे, वहीं पर उन्होंने ब्लड कॉल सेंटर की शुरुआत की। कई दिनों तक उन्होंने वहीं से इसे चालाया। इसके बाद रेडक्रास की मदद से उन्होंने इस कॉल सेंटर को आगे बढ़ाया।

10 लोगों के स्टाफ के साथ 24 घंटे कर रहे काम

अशोक ने बताया कि आज उनके पास 10 लोगों का स्टाफ है। दिनभर स्टाफ अलग-अलग टाइमिंग पर आकर यहां पर काम करता है। रात में वे कॉल सेंटर पर आने वाले कॉल रिसीव करते हैं और ब्लड की जरूरत पड़ने पर ब्लड डोनर अरेंज करते हैं।

तीन महीने बाद आता है नंबर

स्टाफ से मिली जानकारी के मुताबिक जिन ब्लड डोनर द्वारा ब्लड डोनेट कर दिया जाता है उनका नंबर तीन महीने बाद आता है। तीन महीने बाद ही उसने संपर्क किया जाता है, या ब्लड डोनर खुद ही हमसे संपर्क कर बता देते हैं कि उन्हें तीन महीने हो गए और वे फिर से ब्लड डोनेट कर सकते हैं।

यूपी-छत्तीसगढ़, गुजरात से आते हैं कॉल

अशोक नायक ने बताया कि ब्लड कॉल सेंटर पर देशभर से कॉल आते हैं। पूरी कोशिश रहती है कि वे जल्द से जल्द पेशेंट को ब्लड डोनर उपलब्ध करा सके। उनके इस कॉल सेंटर पर देशभर से कॉल आते हैं। जबलपुर, नागपुर, विदिशा, रायपुर, छत्तीसगढ़, यूपी, गुजरात सहित अन्य शहरों से कॉल आते हैं। दुनिया के सबसे रेयर ब्लड ग्रुप ओ बांबे पॉजिटिव जो देश के 180 लोगों में पाया जाता है। वह भी हमने अरेंज कराया है।

पूरा सिस्टम बना हुआ है

संचालक ने बताया कि ब्लड कॉल सेंटर का पूरा सिस्टम बना हुआ है। जिस पेशेंट के लिए कॉल आता है उनकी पूरी डिटेल ली जाती है। पेशेंट के नाम के साथ ब्लड ग्रुप, हॉस्पिटल सभी की डिटेल सिस्टम में अपलोड की जाती है। इसके बाद उन्हें जिस ब्लड ग्रुप की जरूरत होती है, उस अनुसार सिस्टम से संबंधित डोनर की तलाश की जाती है। डोनर से संपर्क कर उन्हें पेशेंट और हॉस्पिटल की जानकारी दी जाती है, ताकि वह ब्लड डोनेट कर सके। खास बात यह रहती है ऐसे ब्लड डोनर को चुना जाता है, जो संबंधित पेशेंट के आसपास ही रहते हो, ताकि उन्हें पहुंचने में परेशानी न हो।

इंदौर में दो ब्लड वाहिनी- इंदौर में अगर किसी डोनर को ब्लड डोनेट करने जाना होता है, अगर उनके पास कोई साधन नहीं होता है तो ब्लड कॉल सेंटर पर इसकी भी सुविधा है। यहां पर दो ब्लड वाहिनी है, जो सेंटर से पहले ब्लड डोनर की लोकेशन पर जाती है, वहां से उन्हें लेकर अस्पताल में ब्लड डोनेट कराने के लिए ले जाती है।

इंदौर में पड़ोसी ने की नाबालिग से छेड़छाड़

रोने लगी तो लॉलीपॉप देकर कहा- किसी को बताना मत, आरोपी पर केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के छत्रीपुरा में नाबालिग के साथ छेड़छाड़ हो गई। पड़ोस में ही रहने वाले लड़के ने खेलने के दौरान हरकत की। बच्ची ने परिवार को पूरी घटना बता दी। पुलिस ने परिवार की शिकायत पर हमीद के खिलाफ केस दर्ज कर हिरासत में लिया है। बताया गया कि रविवार शाम को बच्ची हमीद के यहां अपने भाई के साथ गई। लौटने पर वह रो रही थी तब उससे कारण पूछा तो उसने हमीद के यहां जाने से मना किया। मां ने पूछा तो उसने बताया कि हमीद गंदा है। उसे आंख मिचोली खेलने के लिए कमरे के अंदर लेकर गया। जहां बुरी नीयत से चेहरे को छुआ ओर गलत हरकत की। उसके रोने की आवाज सुनकर जब भाई कमरे में पहुंचा तो दोनों को लॉलीपॉप दी ओर कहा कि यह बात किसी को नहीं बताए। परिवार ने बच्ची के पिता को कॉल करके बुलाया, इसके बाद थाने जाकर शिकायत की।

एरोड्रम इलाके में युवती से मारपीट, आरोपी दोस्त पर केस दर्ज

इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक युवक ने अपनी महिला दोस्त से मारपीट कर धमकाया। पुलिस ने 25 वर्षीय युवती निवासी एयरपोर्ट रोड की शिकायत पर रितेश जायसवाल, निवासी टाट पट्टी बाखल, बियाबानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। युवती ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में काम करती है और रितेश से उसकी जान-पहचान है। आरोपी अक्सर उसके घर आकर धमकी देता था। एक दिन पहले जब वह बहन के साथ डी-मार्ट जाने के लिए निकली, तो 60 फीट रोड पर रितेश ने उसे रोक लिया और मारपीट करने लगा। जब बहन ने बचाव किया, तो उसे भी धमकी दी गई।

इंदौर में कॉपी-किताबों के लिए लगेगा मेला

कलेक्टर बोले- प्लानिंग करेंगे कि एक छत के नीचे पेरेंट्स को मिल सके सुविधा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पालकों को सुविधा देने के लिए एक ही छत के नीचे स्कूलों की कॉपी-किताबें, स्टेशनरी मिल सके इसकी

प्लानिंग की जा रही है। सोमवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने ये बात कही। दरअसल, दो दिन पहले कलेक्टर ने एक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया था। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि निजी स्कूलों में कॉपी-किताबें और यूनिफॉर्म को खरीदने का विषय रहता है, उसमें लगातार पालकों की तरफ से शिकायतें आती है कि स्कूलों द्वारा दबाव बनाया जाता है कि या तो स्कूलों से ही इन चीजों को खरीदा जाए या स्कूल द्वारा बताई गई दुकान से इन चीजों को खरीदा जाए। एकाधिकार होने की वजह से बहुत ही मनमानी कीमतों पर ये चीजें पालकों को खरीदना पड़ती है। ऐसी स्थिति निर्मित ना हो इसे देखते हुए एक प्रतिबंधात्मक आदेश निकाला गया है। ये आदेश तब निकाला जाता है जब स्कूल शुरू हो जाते है या खरीदी शुरू हो जाती थी। इस बार ये आदेश समय से पहले निकालने का प्रयास किया है। स्कूलों के पास भी पर्याप्त समय रहे और पालकों को भी इसकी जानकारी मिल सके। इस आदेश के मुताबिक स्कूलों को कम से कम तीन जगहों की जानकारी देना अनिवार्य होगा। जहां से पालकों द्वारा यूनिफॉर्म और कॉपी-किताबें खरीदी जा सके, जिससे एकाधिकार न हो। जल्द ही स्कूल की कॉपी-किताबें व अन्य स्टेशनरी की चीजों के लिए एक मेला लगाने का प्लान कर रहे है, ताकि एक ही छत के नीचे पालकों को ये सामग्री मिल सके।

चलने के तरीके से पकड़ाया चोर

सीसीटीवी फुटेज में लंगड़ाता दिखा, इंदौर में दिनदहाड़े सूने घरों को बनाता था निशाना

इंदौर (नप्र)। इंदौर की एरोड्रम पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान उसकी चाल के आधार पर की गई। आरोपी संजू उर्फ लंगड़ा भील निवासी शांति नगर पहले भी कई चोरी की वारदातों में शामिल रह चुका है और अपने साथियों के साथ मिलकर घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक, जनवरी में आरोपी ने एक सूने घर में चोरी की थी। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले, जिसमें एक चोर लंगड़ाते हुए नजर आया। फुटेज के आधार पर उसकी पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने कई चोरियों की बात कबूल की। पिछले दिनों एरोड्रम क्षेत्र के नरीमन पॉइंट, संगम नगर और वेंकटेश नगर में हुई चोरी की घटनाओं में भी संजू और उसके साथियों का हाथ होने की आशंका है। पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है और अन्य चोरी के मामलों में भी जानकारी जुटा रही है।

क्लासिक पूर्णिमा सोसायटी की पहल

9 परिवार गीले कचरे से बना रहे खाद, घर में ही उगा रहे सब्जी

इंदौर (नप्र)। परमाणु नगर, लोकमान्य नगर के बाद अब क्लासिक पूर्णिमा सोसायटी ने भी गीले कचरे से खाद बनाने की पहल की है। 49 परिवारों की इस सोसायटी के हर घर में होम कंपोस्टिंग हो रही है। खास बात ये कि ये परिवार जो खाद बना रहे, निगम ने भी उसे ए ग्रेड का माना है। यानी खाद बहुत पौष्टिक है। रहवासी इस खाद की मदद से घर की छत पर हरी सब्जियां उगा रहे हैं। यहां निगम की कचरा गाड़ी तो आती है, लेकिन सिर्फ सूखा कचरा लेकर रवाना हो जाती है। रहवासी यहां सौ फीसदी यूजर चार्जेस भी देते हैं। यानी होम कंपोस्टिंग के एवज में किसी तरह की रियायत नहीं लेते। सभी घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगा है। हर घर में किचन गार्डन है। रहवासी यहां पानी बचाने, कचरे के निस्तारण और उसके प्रबंधन में जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

बीएसएफ की 52वीं इंटर-फ्रंटियर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता शुरू

15 फरवरी तक चलेगा कॉम्पिटिशन

इंदौर (नप्र)। भारत की पहली रक्षा पंक्ति, सीमा सुरक्षा बल की 52वीं इंटर-फ्रंटियर प्लाटून वेपन शूटिंग प्रतियोगिता केंद्रीय आयुध और युद्ध कौशल विद्यालय इंदौर के रेवती रेंज पर शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी ने किया। यह 6 दिवसीय रोमांचक प्रतियोगिता 10 फरवरी से 15 फरवरी तक चलेगी। इसमें बीएसएफ की सभी 11 फ्रंटियर की सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज टीमें हिस्सा ले रही हैं। ये टीमें सटीक निशानेबाजी, रणनीतिक युद्धक तकनीक और मुकाबला तत्परता जैसी कड़ी चुनौतियों का सामना करेंगी। बीएसएफ का हमेशा से बेहतरीन शूटर तैयार करने का इतिहास रहा है। यह वार्षिक प्रतियोगिता युद्ध क्षेत्र की शूटिंग तकनीकों को निखारने, टीमवर्क को मजबूत करने और अनुशासन एवं सटीकता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर बीएसएफ की बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

11 फ्रंटियर की टीमें दिखाएंगी निशानेबाजी कौशल

पिछले साल उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने खिताब जीता था

बीएसएफ का हमेशा से बेहतरीन शूटर तैयार करने का इतिहास रहा है। यह वार्षिक प्रतियोगिता युद्ध क्षेत्र की शूटिंग तकनीकों को निखारने, टीमवर्क को मजबूत करने और अनुशासन एवं सटीकता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। पिछले साल उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने खिताब जीता था, जबकि गुजरात फ्रंटियर दूसरे स्थान पर और जम्मू फ्रंटियर तीसरे स्थान पर रहा था। इस साल की प्रतियोगिता भी बेहद रोमांचक है। टीमें अपने बेहतरीन प्रदर्शन से बीएसएफ के निशानेबाजी इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी।गुब्बारे उड़ाने के साथ निशानेबाजी प्रतियोगिता की गर्मजोशी से शुरुआत हुई।

बीएसएफ की उत्कृष्ट परंपरा को बनाए रखने का प्रतीक प्रतियोगिता

प्रतियोगिता का समापन 15 फरवरी को होगा, जिसमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सीएसडब्ल्यूटी , इंदौर हथियारों और युद्धक तकनीकों के अत्याधुनिक प्रशिक्षण के लिए प्रसिद्ध है। बीएसएफ का मिशन केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि लगातार प्रशिक्षण, नई तकनीकों को अपनाने और एक बेजोड़ बल बनाए रखने की दिशा में आगे बढ़ना भी है। यह प्रतियोगिता केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि कौशल को धार देने, सीमाओं को लांघने और ब्सस्न की उत्कृष्ट परंपरा को बनाए रखने का प्रतीक है।

प्रेमी के घर जाकर खाया जहर, मौत

लिव-इन पार्टनर से हुआ था विवाद, 2 साल पहले पति ने छोड़ा था, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राउ इलाके में रहने वाली एक महिला ने खुड़ैल क्षेत्र में जाकर जहर खा लिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला पिछले कुछ दिनों से अपने दोस्त के साथ लिव-इन में रह रही थी। झगड़े के बाद युवक घर छोड़कर चला गया और महिला के कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। नाराज होकर महिला उसके घर पहुंची और वहीं जहर खा लिया। पुलिस के अनुसार, कमला सोलंकी (40) ने बागली के पास एक गांव में जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि कमला बागली के पास रहने वाले सतीश नाम के युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। दोनों के बीच किसी बात को

लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद सतीश राउ से चला गया और कमला के कॉल भी रिसीव नहीं किए। गुस्से में आकर कमला रविवार को उसके घर पहुंची, जहां विवाद के बाद उसने जहर खा लिया।

पति ने दो साल पहले छोड़ा- कमला का पति ट्रक चालक था, जिसने दो साल पहले उसे छोड़ दिया और किसी अन्य महिला के साथ रहने लगा। इसके बाद कमला और सतीश के बीच दोस्ती हो गई, और सतीश राउ में आकर रहने लगा। कमला के परिवार में उसकी एक बेटी और बेटा है।

18 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाई

माता-पिता लौटे तो फंदे पर लटका मिला; पुलिस ने मोबाइल जब्त किया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजबाड़ा इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि रविवार को वह घर पर अकेला था। देर रात जब माता-पिता घर लौटे तो बेटे को फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सराफा पुलिस के अनुसार, नंदू (18) पुत्र रमेश मुकाती, निवासी शीश महल, राजबाड़ा ने अपने घर के कमरे में फांसी लगा ली। रविवार को वह घर पर अकेला था। जब उसके पिता लौटे और दरवाजा नहीं खुला, तो उन्होंने पड़ोसी की बालकनी से अंदर जाकर देखा, जहां नंदू फंदे पर लटका मिला।

परिवार के अनुसार, नंदू के माता-पिता रविवार को अपने रिश्तेदारों से मिलने ग्राम निनगोटी, कनाड़िया गए थे और दिनभर वहीं रहे। नंदू ने घर पर ही रहने की बात कही थी। दोपहर में आसपास के लोगों ने उसे देखा था, लेकिन इसके बाद वह बाहर नहीं आया। नंदू के पिता फर्नीचर का काम करते हैं, जबकि उनका बड़ा बेटा गांव में रहता है। नंदू ने पढ़ाई छोड़ दी थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन उसका मोबाइल जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने शव को एमवाय अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी को जाहिल अनपढ़ कहकर दिया ट्रिपल तलाक

ससुराल पक्ष पर केस दर्ज, पति बोला- मेरे मन में जो आएगा, वह करूंगा

इंदौर (नप्र)। इंदौर निवासी एक महिला को उसके पति ने यह कहकर तीन तलाक दे दिया कि वह अनपढ़ जाहिल है। महिला ने इंदौर में अपने मायके खजराना से पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद तीन तलाक और दहेज प्रताड़ना के मामले में केस दर्ज किया है।

खजराना पुलिस ने बताया कि अलवीना बी की शिकायत पर आदिल खिलजी,अब्दुल सतार,अनीशा बी पर केस दर्ज किया है। 3 फरवरी को पीड़िता मंदसौर थाने पहुंची। आवेदन देकर शिकायत की। बताया कि 13 दिसंबर 2018 में उनकी शादी मुस्लिम रिवाज से हुई। जिसमें शादी के बाद दो बच्चे हैं।

शादी में गृहस्थी का सामान ओर दहेज दिया गया। लेकिन, सास-ससुर की ओर से दहेज को लेकर परेशान किया गया। पति को बताया तो उन्होंने भी कहा कि माता-पिता सही बात करते हैं। उन्होंने बताया कि घर से रुपए लेकर आओ। सास छोटे-छोटे काम को लेकर तानाकशी करती। उन कामों को लेकर कहती की दहेज नहीं लाई तो काम तो करना पड़ेगा।

जाहिल-अनपढ़ कहकर दुत्कारा

अलवीना ने बताया कि पति शादी के बाद भी दूसरी लड़की से भी बात करते थे। मैंने पकड़ लिया तो कहा कि तेरे माता-पिता ने मेरे माथे बांध दिया। तू जाहिल अनपढ़ औरत है। उन्होंने वहां से भगा दिया। कहा कि मेरे मन में जो आएगा, वह करूंगा। इसके बाद यह बात सास-ससुर को बताई तो उन्होंने भी चुप रहने की बात करते हुए धमकाया। 30 जून 2024 को जब विवाद ज्यादा बढ़ा तो सास-ससुर और पति ने इस बात को लेकर मारपीट की। इसके बाद पति ने तीन बार तलाक कहकर रिश्ता खत्म कर दिया। दोनों बच्चों के साथ घर के बाहर कर दिया। कपड़े भी नहीं दिए। इसके बाद मां को कॉल किया। वह लेने पहुंची। 6 माह से ज्यादा समय तक मां के साथ रहना पड़ रहा है।

मां ने समाज के लोगों के माध्यम से भी घर बसाने को लेकर पहल की। लेकिन, ससुर ने बिना रुपए के घर नहीं भेजने की बात की। कहा कि धर्म में एक बार मुंह से तलाक दे दिया तो इस तरह से घर बसाना संभव नहीं है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि ससुराल से दिया गया पूरा दहेज भी ससुराल में रखा है। वह भी वापस नहीं कर रहे। मंदसौर पुलिस ने इस मामले में इंदौर की खजराना पुलिस को जानकारी दी है। इस पर कार्रवाई की गई है।

सड़क नर्माण की धीमी चाल से नागरिक परेशान

आड़ा बाजार की 500 मीटर सड़क दो महीने में भी नहीं बनी

किनारे पड़ा मलबा, राजबाड़ा क्षेत्र का कारोबार प्रभावित

इंदौर (नप्र)। नगर निगम व निर्माण एजेंसी की धीमी चाल के कारण शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र आड़ा बाजार में 500 मीटर सड़क दो माह बाद भी नहीं बन सकी है। सड़क किनारे पड़े मलबे, धूल के गुबार व बैरिकेडिंग के कारण जवाहर मार्ग व राजबाड़ा क्षेत्र से प्रतिदिन गुजरने वाले 50 हजार से ज्यादा वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह-शाम व पीक ऑवर में यशवंत रोड चौराहे, पंढरीनाथ व राजबाड़ा स्थित लक्ष्मी मंदिर के सामने जाम लग रहा है। दोनों ओर वाहन गुत्थम-गुत्था होते हैं।

बावजूद इसके पुलिस-प्रशासन, नगर निगम, कांट्रैक्टर सहित जिम्मेदारों को ये परेशानी नजर नहीं आ रही आ रही है। सड़क किनारे पड़ा मलबा उठाने की कोई जहमत नहीं उठा रहा है। संस्था सरोकार के रामस्वरूप मूंदड़ा के मुताबिक आड़ा बाजार में कटलरी, श्रृंगार का सामान और अन्य रोजमर्रा की वस्तुएं मिलती हैं, इनकी खरीदी के लिए यहां प्रतिदिन लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इस बाजार की मुख्य सड़क का निर्माण पंढरीनाथ मंदिर से राजबाड़ा चौक तक दो माह से चल रहा है। जवाहर मार्ग से पंढरीनाथ तक रोड बनी है, जबकि दूसरे हिस्से राजबाड़ा चौक में काम जारी है। इसका मलबा दोनों ओर किनारों पर डाल दिया है। इससे जवाहर मार्ग व राजबाड़ा चौक पर वाहनों को परेशानी हो रही है। इधर, जिम्मेदारों का कहना है कि ठेकेदार की ओर से धीमे काम किया जा रहा है, अभी तो दो महीने ही हुए हैं। सड़क बनने में एक-दो हफ्ते और लग सकते हैं।

जवाहर मार्ग व राजबाड़ा क्षेत्र से हर घंटे गुजरते हैं हजारों वाहन- जवाहर मार्ग पर सुबह-शाम ही नहीं, दिनभर वाहनों की आवाजाही बड़ी संख्या में होती है। यह स्थान यशवंत रोड चौराहे से 100-125 मीटर की दूरी पर है। आड़ा बाजार के दूसरे हिस्से में जाने व जवाहर मार्ग पर जाने के लिए वाहनों का क्रॉसिंग है। एक महीने तक पंढरीनाथ की ओर से आने वाली सड़क के मलबे ने परेशान किया। यहां अभी भी ठीक से सफाई नहीं की है।

अब राजबाड़ा की ओर वाला हिस्सा निर्माणाधीन है। इसका मलबा जवाहर मार्ग की जाने वाली लेन में पड़ा है। इस पर राजबाड़ा व गलियों से आने वाले वाहन बड़ी संख्या में आते हैं।

संपादकीय

बीरेन सिंह को हटाने में देरी क्यों

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पौने दो साल से जारी नस्ली हिंसा के बाद आखिरकार मोदी सरकार ने राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने का फैसला कर लिया। यूं कहने को बीरेन सिंह ने पद से इस्तीफा दिया है, लेकिन यह सवाल अब भी बाकी है कि आखिर उन्हें हटाने में केन्द्र सरकार और भाजपा को इतना वक्त क्यों लगा? क्यों मणिपुर में हालात बेकाबू होने दिए गए? ऐसा करके मोदी सरकार कौन सा राजनीतिक हित साध रही थी? खास बात यह है कि बीरेन सिंह को हटाने की मांग खुद मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा गठबंधन के विधायक कर चुके थे। लेकिन तमाम तिकड़मों के चलते बीरेन सिंह पद पर डटे हुए थे। हालांकि करीब सवा साल पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देने का नाटक जरूर किया था। वो घर से इस्तीफा देने चले और मैतेई महिलाओं के कथित विरोध के चलते वापस घर आ गए। गौरतलब है कि मोदी सरकार जिसे शांत राज्य मान रही थी, वहां 3 मई 2023 को मणिपुर हाई कोर्ट के एक आदेश के बाद मैतेई और कुकी समुदायों में ऐसी ठनी कि अब तक दोनो पक्षों में समझौता नहीं हो पाया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि मैतेई समुदाय को भी आदिवासी का दर्जा देने के आदेश राज्य सरकार जारी करे। ये आदेश हुए भी नहीं थे कि जंगलों और पहाड़ों में रहने वाले कुकी और नगा समुदायों ने इस आदेश का हिंसक विरोध शुरू कर दिया। जिसकी प्रतिक्रिया मैतेई समुदाय में भी हुई। कभी शांति से साथ रहने वाले दोनो समुदाय एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। कुकियों को मणिपुर पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालात बिगड़ते देख भारत सरकार ने वहां असम राइफल्स को तैनात किया। लेकिन उस पर भी पक्षपात के आरोप लगे। मणिपुर में हिंसक वार पलटवार होते रहे। यहां तक मं त्रियों के घर तक जला दिए। ऐसा लगा कि समूचा तंत्र ही ध्वस्त हो गया है। मणिपुर में आगजनी, हत्याएं और सुरक्षा बलों के हथियार लूटने की घटनाएं आम हो गईं। इस बीच विपक्ष और खासकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार से बार-बार मांग की कि वो मणिपुर में शांति स्थापित कराएं। खुद पीएम मणिपुर जाकर हालात का जायजा लें। पीएम मोदी तो वहां नहीं गए, लेकिन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर का दौरा किया। सभी दलों और समुदायों के प्रतिनिधियों से बात कर समझौता कराने की कोशिश की। लेकिन उसका कुछ फायदा नहीं हुआ। इस बीच यह बात भी सामने आई कि कुकी और मैतेई समुदायों के वैमनस्य के पीछे धार्मिक कारण भी हैं। ज्यादातर कुकी ईसाई हैं तो मैतेई हिंदू। कुकियों को बाहरी ताकतें भी मदद कर रही हैं। इसमें ड्रग तस्करी की बात भी उजागर हुई। बावजूद इसके बीरेन सिंह पर मोदी सरकार वरद हस्त बना हुआ था। मणिपुर के हालात को लेकर आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत ने भी गहरी चिंता जताई थी, शायद उसी का नतीजा अब सामने आया है। इस दौरान वहां सत्तारूढ़ दल के विधायकों समेत विपक्ष ने बीरेन सिंह के खिलाफ विस में अविश्वास प्रस्ताव लाने का अल्टीमेटम दे दिया था। मणिपुर में कुछ बड़ा होने वाला है, इसका आभास वहां पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के बाद हो गया था। लेकिन बीरेन सिंह के भाग्य का फैसला करने के लिए शायद दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों का इंतजार किया जा रहा था। नतीजे अनुकूल आते ही बीरेन को हटाने का निर्णय हुआ। अब सवाल है कि मणिपुर में आगे क्या होगा? कौन सीएम बनेगा और राज्य में सामाजिक सौहार्द्र कायम करने के लिए सरकार क्या उपाय करेगी, इस पर सबकी नजर रहेगी।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

घर छोड़ के मत जाओ कहीं घर न मिलेगा

अपने व अपने परिवार के लिये जीविकोपार्जन की तलाश में बाहर निकलना अथवा अप्रवासी बनना प्रकृति का बनाया एक ऐसा चक्र है जिससे पृथ्वी का शायद कोई भी प्राणी अछूता नहीं। रोज़ी रोटी की तलाश में सभी प्राणियों को अपने अपने घरों से निकलकर बाहर जाना ही होता है। चूँकि प्रकृति ने मानव को अतिरिक्त सोच बुद्धि व योग्यता से नवाज़ा है इसलिये वह अपने अप्रवासन का रास्ता अपनी आर्थिक हैसियत,अपनी भविष्य की मनोकमनायें, कमाई का स्तर सुविधाजनक राज्य,देश व ठिकाने आदि बहुत कुछ देखकर तय करता है। गत पांच दशकों से अमेरिका,कनाडा व ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारत के अप्रवासियों के लिये आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। रोज़गार के अतिरिक्त भारतीय मुद्रा के मुक़ाबले डॉलर्स की कीमतों में भारी अंतर,सुरक्षित,साफ़ सुथरा, वातावरण,शुद्धता,ईमानदारी,भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण, सामाजिक सुरक्षा,बच्चों की शिक्षा व बुज़ुर्गों की सुरक्षा जैसी अनेक बातें भारतीयों को इन देशों में आने के लिये आकर्षित करती हैं।

अप्रवासन करने वालों में एक वर्ग जो उच्च शिक्षा प्राप्त वैज्ञानिक,शोधार्थी,इंजीनियर्स,डॉक्टर्स,स्पेस वैज्ञानिक आदि जैसे क्षेत्रों से जुड़ा होता है। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों के लिये तो लगभग पूरी दुनिया के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं। दूसरा वर्ग शिक्षा हासिल करने की ग़रज़ से या शिक्षा हासिल करने के बहाने इन देशों में जाता है और वहीँ का होकर रह जाता है। और तीसरा वर्ग पैसों के बल पर इन देशों में जाना चाहता है। और यही वर्ग आसानी से विदेश भेजने वाले एजेंटों के जाल में फंसकर कबूतरबाज़ी या डंकी रुट का शिकार हो जाता है। ऐसे कई लोग जहाँ संपन्न परिवारों के होते हैं वहीं अनेक ऐसे भी होते हैं जिन्होंने अपने घर का सोना,ज़मीन आदि बेचकर या गिरवी रखकर एजेंटों को मुंह मांगी रक़म दी होती है। यहां उस वर्ग का उल्लेख करना भी बेहद ज़रूरी है जो सत्ता में या तो शीर्ष पदों पर है या जिसके ऊँचे रसूख़ हैं या फिर उच्चाधिकारी वर्ग यहाँ तक कि वह वर्ग भी जोकि देश के युवाओं को 'मेक इन इण्डिया' और रोज़गार मांगो मत बल्कि रोज़गार दो,यहाँ तक कि शिक्षित लोगों के पकोड़ा बेचने को भी रोज़गार मानता है ऐसे अनेक लोगों के बच्चे या तो विदेशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं या फिर वहां बड़े व्यवसाय कर रहे हैं। कई 'राष्ट्रभक्त महामनवों' की संतानें तो विदेशी नागरिकता तक लिये बैठी हैं।

बहरहाल, अतिवाद की ओर तेज़ी से बढ़ते विश्व में अमेरिका ने एक बार फिर अतिविवादित व्यक्ति डोनाल्ड ट्रंप को अपना राष्ट्रपति चुन लिया है। उनके आलोचक ट्रम्प को एक नस्लवादी, कट्टरपंथी तथा एक स्त्री-द्वेषी और एक विदूषक के रूप में देखते हैं। सच पूछिये तो ऐसे व्यक्ति का पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनने का विचार ही शांतिप्रिय दुनिया के लिये चिंता पैदा करने तथा दुनिया की नींद हराम करने के लिए पर्याप्त है। ट्रंप जहाँ कई देशों को अपनी 'गिद्ध दृष्टि' से देख रहे हैं वहीं ट्रंप प्रशासन द्वारा ब्राज़ील, ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरास

के लोगों को भी 'अवैध' बताकर अमेरिकी सैन्य विमान से ही उनके देश वापस भेजा गया है। भारत भी उन्हीं दुर्भाग्यशाली देशों में एक है जिसके 'अवैध' बताये जा रहे 104 अमेरिकी प्रवासी अमेरिकी मालवाहक सैन्य विमान में भरकर बड़ी ही अपमानजनक स्थिति में वापस भारत लाये जा चुके हैं। ख़बर यह भी है कि इसी तरह के 487 भारतीयों की एक और खेप अमेरिका किसी भी समय भारत वापस भेज सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक़ इस समय अमेरिका में लगभग 7. 25 लाख लोग ऐसे रह रहे हैं जिनको 'अवैध प्रवासी' के रूप में चिन्हित किया जा चुका है। इस तरह के लगभग 1700 'अवैध प्रवासी' भारतीयों को अमेरिका में हिरासत में लेकर उन्हें डिटेंशन सेंटर में भी डाला जा चुका है।

वीज़ा,इमिग्रेशन,नागरिकता आदि देने या इनसे सम्बंधित क़ानून बनाने का हर देश का अपना अधिकार है। परन्तु ट्रंप की वापसी के बाद जिस अपमानजनक तरीक़े से भारतीय युवाओं को निकला जा रहा है और सरकार द्वारा उसपर लीपा पोती की जा रही है और भारतीय युवाओं के अपमान को लेकर कोई शिकायत अमेरिका के समक्ष दर्ज नहीं कराई जा रही है उसे लेकर भारतीय युवाओं में निराशा ज़रूर है। ख़ासतौर से इस बात के मद्दे नज़र कि प्रधान मंत्री मोदी अपने को ट्रंप का दोस्त बताते हैं। यहाँ तक कि उनके पिछले चुनाव में अमेरिका जाकर 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा भी लगवाते हैं ? ऐसे में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि आख़िर ट्रंप ने भी उस दोस्ती की लाज क्यों नहीं रखी? क्यों हमारे युवाओं के हाथों में हथकड़ी पैरों में बेड़ियाँ व ज़ंजीरें मुंह पर मास्क आदि लगाकर सैन्य विमान में बिठाकर बड़ी ही कष्टदायक स्थिति में उन्हें भारत भेजा गया ? क्या वजह थी कि जिस तरह रूस-यूक्रेन जंग के कारण यूक्रेन से वापस आने वाले युवाओं के लिये ऑपरेशन गंगा चलाया गया था और मंत्रियों द्वारा विमान में घुसकर उनका स्वागत किया गया था उसी तरह भारत अपने विमान भेजकर उन तथाकथित 'अवैध अप्रवासियों' को वापस क्यों नहीं बुलाता? ख़ासकर यह सवाल इसलिये और भी पूछा जा रहा है कि जब कोलंबिया के कथित अवैध प्रवासियों को अमेरिकी सैन्य विमान द्वारा कोलंबिया वापस भेजने की घोषणा की गई तो कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा इसका सख़्त विरोध किया गया। उसी समय राष्ट्रपति पेट्रो ने कहा कि वो अपने नागरिकों की 'गरिमा' को बरक़रार रखना चाहते हैं। इसके फ़ौरन कोलंबिया वायु सेना के दो विमान अमेरिका गए और वो अपने नागरिकों को ससम्मान लेकर राजधानी बोगोटा वापस पहुंचे। क्या भारत अपने नागरिकों के सम्मान के लिये ऐसा नहीं कर सकता था ?

आज जब अमेरिकी डॉलर का मूल्य 87.79, कनाडा डॉलर का मूल्य 61.31 एवं ऑस्ट्रेलिया डॉलर का 54.97 रुपये है ऐसे में इन देशों में काम की तलाश में कौन जाना नहीं चाहेगा ? वैसे भी जब भारत सरकार स्वयं यह कह कर अपनी पीठ थपथपाये कि हम भारत के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन दे रहे हैं इसी से साफ़ हो जाता है कि इस सरकार ने आम लोगों को किस स्थिति में पहुंचा दिया है। यहाँ तक कि 'रेवड़ी आवंटन' तो अब भारत के मुख्य चुनावी एजेंडे में शामिल हो चुका है। ऐसे में प्रतिभाओं का पालयन तो हो ही रहा है साथ ही आम आदमी भी चाहे अपनी ज़मीन, सोना,मकान आदि गिरवी रखकर या बेचकर इन देशों में जाना चाहते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि उनका व उनके परिवार का भविष्य भारत में सुरक्षित नहीं। देश में आर्थिक अनिश्चितता का जो वातावरण है उससे वे वाक़िफ़ हैं तभी विदेशी एजेंटों के झांसे में आकर विदेश यात्रा हेतु कई ग़लत व ग़ैर क़ानूनी क़दम उठा लेते हैं। इनमें कई लोगों को तो अवैध तरीक़े से सीमा पार करने हेतु जंगलों व ख़तरनाक समुद्री रास्तों से गुज़रना होता है। कई युवा तो अपनी जान भी गँवा बैठते हैं। लिहाज़ा जहाँ भारत को विश्व की महाशक्ति बनने का सपना दिखाने वालों की यह ज़िम्मेदारी है कि वह अपने देश में ही अधिक से अधिक ऐसे अवसर उपलब्ध करायें ताकि पलायन पर नियंत्रण किया जा सके और इसतरह के अपमान से युवाओं को बचाया जा सके। दूसरी तरफ़ युवाओं को भी भारत में ही रहकर हर सरकारों पर रोज़गार के अवसर उपलब्ध करने का दबाव बनाना चाहिये। साथ ही संतोष व मान सम्मान का दामन कभी नहीं छोड़ना चाहिये। डॉ बशीर बद्र साहब ने ठीक ही कहा है-

'भीगी हुई आँखों का ये मनज़र न मिलेगा'।
घर छोड़ के मत जाओ कहीं घर न मिलेगा।।

त्वरित टिप्पणी

ऋतुपर्ण दवे

स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

दिल्ली के नतीजे न चौंकाने वाले न अप्रत्याशित

दिल्ली के नतीजों को महागठबंधन की रार, तकरार या हार कहें या फिर भाजपा का आत्मविश्वास, लेकिन सच यही है कि जीत मतदाताओं की हुई है। यकीनन दिल्ली के मतदाताओं के दोनों हाथ में लड्डू थे। शायद, इसी वजह से दिल्ली में मतदाताओं ने काफी सोच-विचार कर भाजपा को चुना। हो सकता है कि इस बार केजरीवाल और उनकी टीम अपने वायदों पर खरे नहीं उतरे या आरोपों के कुचक्र में ऐसी घिरते चले गए कि जनमानस को उनकी कथनी और करनी में तो अंतर समझ आने लगा। वहीं पुरानी घोषणाओं और भावनाओं का खेला हुआ। आम आदमी पार्टी को इस बार उसके नेताओं के पुराने भावुक भाषणों ने करारी चोट दी। जिसमें नीली वैगन आर और मुख्यमंत्री के आवास को लेकर जुमलों जैसी बातें थी। भाजपा ने भी मतदाताओं को निजी तौर पर लाभ के पिटारों और पुरानी सौगातों में वृध्दि का जो दांव खेला उसी का असर सामने है। फायदे के दौर में ज्यादा फायदा कौन नहीं चाहेगा? भाजपा ने भी फायदों की झड़ी पर दांव लगाया तो क्या बुरा किया? इधर केजरीवाल भी अपनों से ही उलझते चले गए और गठबंधन भी बिखरता गया।

आम आदमी पार्टी को शीश महल, शराब घोटाला जैसे आरोपों ने ऐसा धराशायी किया कि आप की 'झाड़ू' ने अपनों को साफ कर नाउम्मीद कर दिया। हालांकि भाजपा को अपना सूखा दूर करने में 27 साल लग गए। लेकिन यह सच है कि लोकसभा चुनावों के बाद दिल्ली के महज 70 सीटों के चुनाव पर देश-दुनिया की निगाहें थी। दिल्ली के चुनाव इसलिए भी बेहद खास थे कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वहां पर सरकार न बना पाना उनकी सबसे बड़ी कसक थी। यही वजह थी कि मोदी ने भी इस बार न केवल अपना दांव चला बल्कि अपने भाषणों से भी काफी कुछ संदेश देने की कोशिश की। आखिर दिल्ली में भी मोदी मैजिक पहली ही बार ही सही, चल गया।

हालांकि कहा जरूर जा रहा था कि संघर्ष त्रिकोणीय होगा लेकिन नतीजे आमने-सामने के ही दिखे। कांग्रेस को जरूर इस बात पर संतोष करना होगा कि उसके वोट प्रतिशत में थोड़ा इजाफा हुआ है। लेकिन यह नाकाफी है। हां यदि इण्डिया गठबन्धन यहां भी एकजुटता से लड़ता तो संभव

है कि नतीजे कुछ बदले भी आ सकते थे। लेकिन यह महज कयास हैं। कुल मिलाकर इसे घोषणाओं में कौन कितना आगे रहा उसी की जीत हुई कहा जा सकता है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में भाजपा 48 सीटों के बहुमत सत्ता में आई। वहीं आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर सिमट गई। मतों के प्रतिशत के लिहाज जहां भाजपा को 45.56 तो आम आदमी पार्टी को 43.57 प्रतिशत मत मिले। अंतर भले ही कम रहा लेकिन अंकगणित के आंकड़ों ने आप को चित्त कर दिया। कांग्रेस को जरूर 2020 के मुकाबले ज्यादा मत मिले जो 4.63 से बढ़कर 6.34 हो गए। निश्चित रूप से हरेक सीट के विश्लेषण के बाद समझ आएगा कि कांग्रेस आप के लिए कितनी वोट कटवा रही।

अब भाजपा के लिए अभी तो यह जश्न का दौर है। लेकिन वायदों पर भी खरा उतरना होगा। निश्चित रूप से मुफ्त की रेवड़ी की बहार और वायदों में बरकरार रहने वाली पार्टियों का ही वक्त आता दिख रहा है। शायद दिल्ली में भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी की हार के बाद सभी की निगाहें अब बिहार पर हैं। वहां के मतदाताओं के हाथ अभी दिल्ली जैसा लाभ नहीं है। वहां सत्ताधारी गठबंधन के अंदर निश्चित रूप से इस जीत के बाद मंथन का दौर चल रहा होगा कि मतदाताओं को अपने पक्ष में बनाए रखने की लिए और कितनी घोषणाएं कर तुरंत उन्हें अमल में लाया जा सकता है।

आम आदमी पार्टी के क्षत्रपों की हार से पूरे देश में एक बड़ा संदेश जरूर गया है। आने वाला दौर और राज्यों के चुनावों के ट्रेन्ड काफी बदलने वाले हैं। दिल्ली के नतीजों के बाद अब जिन-जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां पर विकास के अलावा मुफ्त की रेवड़ी बांटने या जीतने के बाद देने के वायदों को देखना होगा।

भाजपा की जीत या आप की हार को राजनीतिक दृष्टि से तो देखा ही जाएगा लेकिन इसका विकास की योजनाओं पर भी दूरगामी असर होगा। इसके अलावा गठबन्धन की राजनीति के लिए भी बड़ा संदेश छुपा है। बन्द मुट्ठी लाख की खुल गई तो खाक की। कांग्रेस बेहतर न कर पाने के बाद भले ही कहे कि हमें आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में धोखा दिया तो हमने दिल्ली में उसे उसकी हैसियत बता दी। वास्तविक हैसियत तो मतदाताओं ने दिखा दी है। लगता नहीं कि भविष्य में गठबंधन धर्म में कांग्रेस ने भी खुद अपने लिए चुनौतियां नहीं बढ़ा लीं?

कहते हैं वक्त कभी थमता नहीं है। लेकिन कांग्रेस की हालत और जनता में विश्वास को लेकर अब यह चिंतन और मंथन का भी समय है। कांग्रेस को अपने वजूद के लिए नए सिरे से छोटे-बड़े से समझौते पर सोचना होगा। वहीं आम आदमी पार्टी को भी इस बात को लेकर जूझना होगा कि पंजाब के वायदों को पूरा न कर पाने का दिल्ली में कितना खामियाजा उठाना पड़ा? लेकिन एक बार फिर विपक्षी एकता और महागठबंधन की ताकत को लेकर फिर चिंतन-मंथन का दौर शुरू होगा। शायद विपक्ष सीख ले? इसके लिए बिहार के चुनाव का इंतजार करना होगा।

सच है कि भाजपा को आत्मविश्वास और मजबूत संगठनात्मक ढ़ांचे के साथ अनुशासित होकर चुनाव लड़ने से भी बहुत फायदा हुआ। वहीं जिस तरह से प्रचंड जनादेश से सरकार में आने के बाद ही आम आदमी पार्टी से जुड़े महत्वपूर्ण तुरुप और दूसरे दिग्गजों को मजबूरन कहें या जानबूझकर अलग किया गया या होने को मजबूर होना पड़ा यह हार भी कहीं न कहीं उसकी कीमत है। अब आप के सामने बची-खुची एकजुटता बनाए रखनाभी बड़ीबल्कि बहुत चुनौती होगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि केजरीवाल के लिए सबसे बड़ी मुश्किल अपनी पार्टी को दोबारा मजबूत कर पाना और पंजाब की सरकार को जनता की उम्मीदों पर खरा उतारना होगा। यह तय है कि केजरीवाल के लिए आने वाले दिन और भी मुश्किलों से भरे होंगे।

भाजपा के लिए दिल्ली की बाधा तो दूर हुई। अब देखना है कि डबल इंजन की ताकत क्या करिश्मा कर दिखाती है। बहरहाल अभी तो आप और कांग्रेस की हालत को देखकर यही कहना ठीक होगा कि ये पब्लिक है सब जानती है। हाँ, दिल्ली के नतीजे न चौंकाने वाले थे और न ही अप्रत्याशित। गर्व सेकह सकते हैं लोकतंत्र जिंदाबाद।

सिमटता हुआ वसंत

कटाक्ष

रमेशचंद्र शर्मा

लेखक उज्जैन निवासी व्यंग्यकार हैं।

चन्द दिनों पहले हमने वसंत पंचमी मनाई है। वह भी एक नहीं दो दिन। पहले दो फरवरी को और दूसरी तीन फरवरी को।दो वसंतपंचमी मनाना अपने आप में सुखद एहसास है। लगा वसंत पसर रहा है जैसे कोई सेठ मसनद के सहारे अपनी गादी पर पसर गया हो। पसरे - पसरे अपनी तिजोरी को निहारने लगे तो समझो सोने में सुहागा।तिजोरी को निहारता सेठ क्या सोचता सिवा इसके कि इस साल कितना मुनाफा होगा। मुनाफे से कितना बिजनेस बढ़ाया जा सकता है।कितने बंगले, वाहन और जमीन ज़ायजाद खरीदी जा सकती है।माली हालात मजबूत हो जाए तो फिर राजनीति में भी पैर पसारे जा सकते है।जो राजनीति में पसर गया समझो वह तर गया।अरे हां, वसंत पंचमी के दो दिन पहले बजट भी तो आया था।ऐसा लगा जैसे वसंत का सेक्रेटरी आगे - आगे आया हो अगवानी करने। बजट ज़रा सुविधाजनक आ जाए तो समझो सखि री मन भावन वसंत आया रे वाली गुड फीलिंग होने लगती है। एक अच्छी सरकार सबका ध्यान रखती है।जाहिर है वसंत का भी रखती ही होगी। बजट मनभावन आने से वसंत बहार बन के झूमने लगता है।

फिलहाल आज एक समाचार ने वसंत की गुड फीलिंग की मिट्टी पलीद कर दी। समाचार यह ही कि 'सिमट रहा है वसंत.. फरवरी अंत तक सीधे गर्मी ही आएगी।' सच में बड़ा चिंताजनक समाचार है।वसंत को कामोत्सव भी कहा गया है। लिहाजा उसके भड़ाक दने से आने से एक जंगलीपने का एहसास होता है।वसंत का धीमा - धीमा आगमन एक शिष्टाचार की अनुभूति प्रदान करता है।वसंत में एक संक्रमणकाल वाला कालखंड होने लगता है कि वसंत में आने की तमीज है। वह होले - होल सलीके से आता है तो बड़ा भला लगता है। जल्दबाजी अच्छी नहीं लगती है। कहा भी गया है, 'जल्दी का काम शैतान का।' वसंत की जल्दबाजी में चुहल हो,हल्की सी शैतानी हो तो अच्छा लगता है।यह कौन सी बात हुई कि इधर सर्दी कायदे से विदा भी नहीं हुई और भड़ाक से गर्मी आ टपकी।नहीं, वसंत का सिमटना बिल्कुल अच्छी बात नहीं है।

वसंत का सिमटना अपने आप में चिंताजनक है। वसंत सिमट गया तो बहार तो अपने आप सिमट जाएगी।जनजीवन से मस्ती गायब हो जाएगी।युवा दिल धड़कने से पहले ही थम जाएंगे।वसंत सिमटा तो मस्त हवाएं भला लहरा के कैसे आएंगी? गौरी का वासंति आंचल कैसे लहराएगा। साजन तो आंचल के लहराने के इंडिकेशन के बाद ही हफ्ते दस दिन की छुट्टी लेकर गौरी के गांव पहुंचते हैं सच में वसंत का सिमटना साहित्य का सिमटना होगा। वसंत सिमट गया तो संगीत भी सिमट जाएगा वसंत सिमट गया तो चित्रकला सिमट जाएगी। वसंत सिमट गया तो गांवों की गलियों की चहल पहल सिमट जाएगी वसंत सिमट गया तो जनजीवन से उत्साह अपने बोरिया बिस्तर समेट कर चलता बनेगा। ऐ भाई ,कोई वसंत जो सिमटने से रोको।सर्दी और गर्मी के बीच का संक्रमण काल जिसे हम वसंत कहते हैं वहीं तो जमाने के गम को भुला देता है। लोग थोड़ी मस्ती में डूब जाते हैं । कोई जतन करो यार,वसंत को सिमटने मत दो। वसंत तक यह पैगाम भेज दो कि हे ऋतुराज आपका पसारना हम में जीने की चाहत देता है।आप की सार्थकता सिमटने में नहीं पसरने में है। आप पसरो इतना पसरो कि यह धरती भी छोटी पड़ जाए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जेब में वसंत तो मिडिल क्लासीय महंत

अबके फिर चुनावी मौसम वाले बजट को कोई इसे इसे भी साधा, उसे भी साधा वाला बता रहा था तो कोई इसे मुझ जैसे मिडिल क्लासीय का महाकुंभ बता रहा था तो कोई मेरे जैसों की फटी जेबों में वसंत। मैं भी सब देख सुन खुश था कि चलो, बड़े बजटों बाद अबके जेब में वसंत वाला बजट आया, बिना प्रयाग गए मैंने अपने घर में कमेटी के सड़े पानी की बाल्टी से गंगा यमुना सरस्वती कहते कहते अपने शरीर को अमृत स्नान कराया। स्वर्ग तक में मुझ मिडिल क्लासीय जीव को रिलीफ नहीं, पर चलो, अबके इनकम टैक्स की चक्की में पिसते को तनिक राहत तो मिली।

सच कहूं, मीडिल क्लासीय नौकरी पेशाओं के लिए गृहस्थी की चक्की से बुरी इनकम टैक्स की चक्की होती है। गृहस्थी की चक्की में पिसते पिसते मिडिल क्लासीय जीव का वह हाल नहीं होता जो हाल इनकम टैक्स की चक्की में पिसने पर होता है। गृहस्थी की चक्की में पिसने से मिडिल क्लासीय गृहस्थी थोड़ा बहुत बच सकता है, परंतु इनकम टैक्स की चक्की में पिसने से वह कतई नहीं बच सकता। वह आटा भी नहीं, मैदा होकर ही निकलता है।

मिडिल क्लास के जीवन में आया वसंत वह खुशी नहीं देता जो उसकी जेब में आया वसंत खुशी देता है। जब मिडिल क्लास जीव की जेब में वसंत आता है तो उसे हर मौसम वसंत लगता है। और जब जेब में वसंत न हो तो उसे वसंत भी शिशिर लगता है।

मिडिल क्लास नौकरी पेशा के जीवन में वसंत आए या न, पर मीडिल क्लास नौकरी पेशा की जेब में वसंत आना बहुत जरूरी होता है। जेब के वसंत के बिना वह वसंत में भी उदास ही रहता है। मिडिल क्लासीय नौकरी पेशा जीव के प्राण बगिया में आए वसंत में नहीं, जेबीय वसंत में बसते हैं। अगर बजट में उसके लिए उसके मन माफिक छलावे न हों तो उसे बजट बजट नहीं लगता, लेटेस्ट होने के बाद भी बेकार का गैजेट लगता है।

मिडिल क्लास नौकरी पेशा जीव बगिया में आए वसंत को देखकर प्रसन्न नहीं होता, जेब में आए वसंत को देखकर गद्गद होता है। जेब में वसंत के इंतजार में वह कबाड़ी के कोट में शिशिर में ठिठुरता ठिठुरता पूरा साल मजे से काट देता है कि जब बजट आएगा तो उसकी जेब को वसंत दे जाएगा। तब फूलों पर नहीं, उसकी जेब पर भौरें गुंजार करेंगे। सारा साल उसकी जिस जेब से सड़ांध आती है, उससे खुशबू महकेगी। तब उसके साल भर के उधार धुल जाएंगे। उसके कर्जों के बंधन खुल जाएंगे।

मिडिल क्लास नौकरी पेशा जीव के लिए भौरों की गुंजार कोई मायने नहीं रखती, वित्तमंत्री की बजटीय रिलीफों की फुहार,बौछार मायने रखती है। जब बजट में वित्तमंत्री उसके लिए किसी रिलीफ की घोषणा करते हैं तो उसको साल भर की कमर की दर्द से बिना सेंपल फेल दवा खाए जादुई रिलीफ मिल जाता है। वसंत आने पर उसे कामदेव से कोई लेना देना नहीं होता। उसे तो इनकम टैक्स में मिलने वाली रीबेट से सरोकार होता है।

बजट आने पर उनके कहेनुसार मैं मीडिल क्लास का नौकरी पेशा जीव मिडिल क्लासीय महाकुंभ में कल बिन नाक पकड़े डुबकियां लगाता कभी उस भगदड़ से तो कभी इस भगदड़ से अपने को बचाता कभी अपनी इस जेब तो कभी उस जेब में वसंत फील करने की कोशिश कर रहा था, पर हर बार हाथ पिछले महीने के पेंडिंग बिल ही लग रहे थे।

वैसे ही केवल मेरी नॉलिज के लिए, एक बात तो बताना भाई साहब! आठ पहर चौबीस घंटे हम मिडिल क्लासियों की फटी जेबें तक बिलों से ही क्यों ठसाठस भरी रहती हैं? हम मिडिल क्लास अपने पेट पर पत्थर रख इधर उधर से जुगाड़ कर एक बिल देते हैं तो चार बिल और जेब में पता नहीं कहां से घुसे आते हैं? हमारी जेबों में पता नहीं कौन चोरी से बिल डाल जाता है?

दृष्टिकोण

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

लेखक विचारक हैं।

भाजपा की दिल्ली जीत सामाजिक स्वीकार्यता का परिणाम

दिल्ली के चुनाव में फतह हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी देश का एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल बन गया है, जिसने संघर्ष करते हुए अनेक ऐसे सोपान तय कर दिए, जिन्हें आने वाले समय में विद्यार्थी पढ़ेंगे और सियासत के अनुभवों से काफी कुछ सीख सकेंगे। यह बात इसलिए लिखना प्रासंगिक लगती है, क्योंकि यह एकमात्र ऐसा राजनीतिक संगठन है जिस पर आजादी के पहले और आजादी के बाद सत्ता पर काबिज संगठन द्वारा कभी देशद्रोह के तो कभी सांप्रदायिकता के आरोप लगाए जाते रहे हैं। यही नहीं, समय-समय पर पहले जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी अनेक बंदिशों की शिकार भी होती रही हैं। और तो और, इनके नेताओं को खतरनाक अपराधियों के साथ लंबे कालखंड तक जेलों में भी बंद रखा गया। लेकिन तारीफ करना पड़ेगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कोख से जन्म लेने वाली जनसंघ और आज की भारतीय जनता पार्टी की, उसके कार्यकर्ताओं ने अपना धैर्य नहीं खोया। सबसे बड़ी तारीफ की बात तो यह है कि इस पार्टी ने अनेक प्रतिकूलताओं के बाद भी ढेर सारी राजनैतिक और चुनावी पराजयों को झेलने के बाद भी अपनी रीति नीति से समझौता नहीं किया। यह जन्मजात राष्ट्रवादी बनी रही और आज भी भाजपा नेताओं ने तुष्टिकरण का रास्ता नहीं अपनाया है। पहले जनसंघ और फिर बाद में भाजपा ने स्पष्ट रूप से यह उद्घोष किया कि हम कश्मीर से धारा 370 हटाएंगे, अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे और देश में समान नागरिक कानून लागू करेंगे। कितने आश्चर्य की बात है कि चुनावी लाभ हानि की दृष्टि से एक ओर जहां भारत के अधिकांश राजनैतिक दल अपनी नीतियों में अवसरवादी बदलाव करते रहते हैं। वहीं जनसंघ और फिर 1980 से अस्तित्व में आई भाजपा अपनी टेक पर अड़ी रही। उसकी इस सनातनी और राष्ट्रवादी प्रतिज्ञा को तथा कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने कभी राष्ट्रद्रोह तो कभी सांप्रदायिकता के नाम से कलंकित किया जाना जारी रखा। जब जब धारा 370 हटाने की बात की गई तो देशवासियों को भयाक्रांत किया गया कि यह जनसंघी, यह भाजपाई देशभर में गृह युद्ध के हालात पैदा करने का ताना-बाना बुन रही हैं। राम मंदिर का आंदोलन रोपा तो कहा गया कि यह लोग सांप्रदायिक हैं। जब समान नागरिक कानून लागू करने का संकल्प दोहराया गया तो भय दिखाया गया कि इससे अल्पसंख्यकों का दमन किया जाएगा। हालांकि ऐसे धर्मनिरपेक्ष दलों को कुछ अवसरवादी किस्म के सियासी दलालों का सहारा तो मिला। जिन्होंने अपने निजी फायदों के मद्देनजर अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों के बीच एक गहरी खाई खोदने का सुनियोजित षड्यंत्र जारी बनाए रखा। लेकिन देश की आधिसंख्य जनता जनार्दन भाजपा की राष्ट्रवादी और सनातनी नीति को गंभीरता से लेती रही। यदि किसी वर्ग विशेष अथवा उसे लगातार भ्रमित बनाए रखना वाले दलालों अर्थात् नेताओं को लगा है कि हमें भाजपा को वोट नहीं करना है, तो भाजपा ने भी उन्हें अपने पाले में करने को लेकर बहुत ज्यादा आतुरता नहीं दिखाई और ना ही तुष्टिकरण का रास्ता अपनाया। हां संवैधानिक और अन्य संभावित तरीकों से यह संदेश लगातार जाहिर करती रही कि हमें तुमसे बैर नहीं, लेकिन हम राष्ट्रवाद और सनातन का झंडा बुलंद करते रहे हैं सो आगे भी करते रहेंगे। यदि इस स्वरूप में हमें कोई स्वीकार करता है तो उसका सहर्ष स्वागत है। हम सभी भारतीय नागरिकों की भांति उनके संवैधानिक अधिकारों का भी संरक्षण करेंगे। किंतु, यदि कोई अपने मत के बदले यह उम्मीद करे कि भाजपा इसके लिए अपनी रीति और नीति से समझौता कर लेगी तो यह असंभव ही रहेगा। यही वजह है कि उसकी स्पष्टवादिता और संघर्षशील नीति के चलते भाजपा का कद देश और दुनिया में लगातार बढ़ रहा है। अब यह इतना बढ़ चला है कि उसकी यश कीर्ति भारतीय सीमाओं को पार करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के लोगों को प्रभावित करने लगी हैं। इस पार्टी के नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक कद तो इतना ऊंचा हो चला है कि दुनिया भर के राजनेता उन्हें वैश्विक व्यक्तित्व के रूप में मान्यता देने लगे हैं। तो फिर भारतीय

जनता उन्हें सम्मान ना दे, यह कैसे हो सकता है? विरोधी दल भले ही भाजपा और श्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रोपेगेंडा खड़ा करते रहें। लेकिन सत्य यही है कि श्री मोदी के प्रत्येक कथन को अब जनता के बीच गारंटी के रूप में मान्यता प्राप्त है। देश की जनता यह मानती है कि श्री मोदी जो कहते हैं उसे करके अवश्य दिखाते हैं। धारा 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर बनाने और अब यूनियन सिविल कोड लागू करने की कवायदें शुरू होने के बाद 'मोदी है तो मुमकिन है' इस नारे को आम जनता की ओर से प्रमाणिकता स्वीकार्यता प्राप्त हो गई है। यही वजह है कि देश के विभिन्न राज्यों में से कुछ जगहों पर भले ही विरोधी पक्षों की सरकारें हों, लेकिन जब लोकसभा के चुनाव होते हैं तब आम जनता का मत अधिकतम भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी के पक्ष में ही जाता दिखाई दे रहा है। यह भी गौर करने लायक बात है कि जहां भाजपा परिस्थितिवश अथवा सुनियोजित रणनीति के तहत राज्य स्तरीय चुनावों में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने में रुचि नहीं रखती, वहां मतदाता नरेंद्र मोदी के चेहरे को देखकर विधानसभा के चुनाव में भी अपनी समस्याओं और मुद्दों को लेकर निश्चिंतता का अनुभव करने लगा है। इसी का नतीजा है कि देश के 21 राज्यों में राज्यों में भाजपानीत राष्ट्रीय जन तांत्रिक गठबंधन की सरकारें स्थापित हैं तथा इनमें से 15 राज्यों में तो भाजपा केवल अपने दमखम पर सरकारों का संचालन पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रही है। इस बात को दिल्ली विधानसभा के चुनाव में बेहद स्पष्ट रूप से देखा और महसूस किया जा सकता है। सब जानते हैं कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं ने हमेशा की तरह इस बार भी विक्टिम कार्ड खेलने का भरपूर प्रयास किया। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर अन्य विरोधी दलों ने भी दिल्ली के मतदाताओं को भड़काने तथा उन्हें भ्रमित करने के हर संभव प्रयास किये। अपनी हर असफलता को भाजपा के सिर मढ़ने के विरोधी दलों के प्रयास तो सदैव ही बड़े पैमाने पर चलाए रहे। शायद इसीलिए सत्ता पर काबिज आप और उसके नेता पूरी तरह आश्वस्त थे कि इस बार भी दिल्ली के मतदाताओं को गुमराह किया जा सकेगा और एक बार फिर दिल्ली फतह की जा सकेगी। लेकिन आम आदमी पार्टी समेत अन्य विरोधी दलों के मुगालते उस समय भंग हो गए जब भाजपा हमेशा की तरह राष्ट्रवाद और जनहितैषी निर्णयों को आगे रखकर चुनावी मैदान में डटी रही। दिल्ली के मतदाताओं ने भी भ्रमित हुए बगैर भाजपा शासित अनेक प्रदेशों की सरकारों द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों का बारीकी से अध्ययन किया जाना जारी रखा। दिल्ली वासियों ने यह परिदृश्य भी ध्यान से देखा कि एक ओर दिल्ली में यमुना के प्रदूषित हो जाने से वहां सत्ता पक्ष के तात्कालिक मंत्री और मुख्यमंत्री भी पानी में उतरने से घबराते, कतराते रहे। नदी में उठ रहे जहरीले सफेद फैन को देखकर विरोधी दलों के अन्य नेता भी नाक भौं सिकोड़ते रहे। वहीं दूसरी ओर दिल्ली वासियों ने भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में आयोजित प्रयागराज कु महाकुंभ को भी देखा, जहां क्या नेता क्या मंत्री, क्या साधु क्या महात्मा और क्या जनता जनार्दन, सबके सब पूरी श्रद्धा के साथ संगम पर डुबकियां लगा रहे थे और निसंकोच होकर दोनों हाथों से संगम के पवित्र जल से आचमन करते दिखाई दे रहे थे। उन्होंने यह भी देखा कि एक ओर दिल्ली में कचरे के पहाड़ खड़े होते चले जा रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा शासित राज्यों के नगर एवं महानगर बरसों से स्वच्छता अभियान प्रतियोगिता के अंतर्गत अपना परचम लहराते चले जा रहे हैं। इन तुलनात्मक अध्ययनों ने मतदाताओं को भाजपा के और अधिक नजदीक किया।

इस सबसे बढ़कर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने जब 'मोदी की गारंटी' को अपना बोध वाक्य बनाया तो दिल्ली के मतदाताओं को चुनावी परिदृश्य के अंतिम सप्ताह में ही सही, अंततः यह भरोसा हो गया कि अब वाकई में दिल्ली का विकास चाहिए तो वहां डबल इंजन की सरकार को स्थापित करना ही दिल्ली के हित में है। क्योंकि दिल्ली समेत पूरे देश में एक बात तो स्थापित हो चुकी है कि श्री मोदी जो एक बार कह देते हैं वह करके अवश्य दिखाते हैं। यही कारण रहा कि अनेक भ्रामक प्रचारों के बाद भी जनता भ्रमित नहीं हुई और उसने भाजपा को स्पष्ट जनादेश देकर केंद्र के साथ साथ अब दिल्ली राज्य की सत्ता में भी स्थापित कर दिखाया। अतः यह स्पष्ट हो चला है कि वर्तमान और आने वाला युग भाजपा का है। देश का नागरिक यह समझ चुका है कि उसकी सुरक्षा, संस्कृति और सामाजिक सरोकार भाजपा के संरक्षण में ही संरक्षित बने रहने वाले हैं।

शिक्षा

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है। अब उतना ही यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं के कारण देश भर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर- तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिर्देशों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा।

कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ द्वारा स्व प्रेरित संज्ञान आधारित याचिका की सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की तरफ से कहा गया है कि विधानसभा के मौजूदा सत्र में इसके लिए एक नया कानून लाया जाएगा। जिससे छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं की घटनाओ पर रोक लगाई जा सकेगी।

सरकार चाहे जितनी कोशिश करे कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक बिना किसी दबाव के पढ़ाई करेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधर पायेंगे। कोटा के मौजूदा हालातों के कारण ही यहां कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या में काफी कमी होने लगी हैं। जो कोटा शहर की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

सावधानी से करें इंटरनेट का इस्तेमाल

सायबर सुरक्षा

अम्बिका कुशवाहा अम्बी

आज के आधुनिक समय में इंटरनेट ने हमारे दैनिक जीवन में मजबूत पैठ बना ली है। पढ़ाई से लेकर नौकरी तक और व्यापार से लेकर मनोरंजन तक इंटरनेट मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया भर की जानकारी तक पहुंच सकते हैं, ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं, सोशल मीडिया पर अपने दोस्तों और परिवार के साथ जुड़ सकते हैं, और यहां तक कि ऑनलाइन क्लासेस भी ले सकते हैं। इसके अलावा, इंटरनेट ने व्यवसायों और उद्यमियों के लिए नए अवसर प्रदान किए हैं। ऑनलाइन मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, और डिजिटल पेमेंट जैसी सेवाएं अब आम हो गई हैं।

हालांकि, इंटरनेट के साथ-साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा प्राइवेसी, और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है। इसके लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना और ऑनलाइन सुरक्षा के लिए प्रेरित करना होगा।

ऑनलाइन फ्रॉड की समस्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। यह एक गंभीर मुद्दा है जो ऑनलाइन लेन देन और गतिविधियों से जुड़ा है। यह समस्या व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों स्तर पर जड़े जमा रहा है।

ऑनलाइन फ्रॉड के प्रकार

1. **फिशिंग-** अपराधी नकली ईमेल या मैसेज भेजकर लोगों की व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करते है।

2. **फ्रॉडलेंट लेनदेन-** अपराधी आपके क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का उपयोग करके अवैध लेनदेन करते हैं।

3. **आइडेंटिटी चोरी-** अपराधी लोगों की व्यक्तिगत जानकारी चोरी कर, उसका उपयोग गलत गतिविधियों के लिए करते हैं।

4. **मैलवेयर और वायरस-** अपराधी लोगों के डिवाइस में मैलवेयर या वायरस डाल डेटा की चोरी करते हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के तरीके:

- मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें।
- सोशल मीडिया एकाउंट के लिए दो प्रमाणीकरण का उपयोग करें।
- संदिग्ध ईमेल और मैसेज का जवाब न दें।
- ऑनलाइन लेनदेन के लिए सुरक्षित वेबसाइटों का उपयोग करें।
- डिवाइस के नवीनतम सॉफ्टवेयर का अपडेट करते रहे।

महाकुंभ : करोड़ों स्नान के बाद भी गंगाजल शुद्ध क्यों?

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास

(लेखक एंटी एजिंग साइंटिस्ट व पूर्व प्राचार्य हैं)

भारत में एक पवित्र और दिव्य इकाई के रूप में प्रतिष्ठित गंगा नदी, न केवल आध्यात्मिकता का प्रतीक है, बल्कि गहन वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय भी है। प्रयागराज महाकुंभ के भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान, जहां 35 करोड़ (350 मिलियन) से अधिक भक्त नदी में पवित्र डुबकियां लगा चुके हैं - विशेष रूप से गंगा, यमुना के संगम पर, और विलुप्त पौराणिक सरस्वती नदी मिलन स्थल पर - महामारी के प्रकोप के एक भी उदाहरण नहीं मिला है। यह उल्लेखनीय शुभ घटना पारंपरिक चिकित्सा समझ को धता बताती है और आधुनिक विज्ञान के सबसे महान रहस्यों में से एक रोमांचकारी बनी हुई है। प्रश्न उठता है कि बड़े पैमाने पर करोड़ों धर्म यात्रियों के स्नान के बावजूद यहां महामारी क्यों नहीं होती है ?

चिकित्सकीय दृष्टिकोण से, जब इस तरह की एक वृहद जनसंख्या एक ही स्थल के जल से स्नान करती है, तो जलजनित रोगों की संभावना - जैसे कि हैजा, टाइफाइड, पेचिश और हेपेटाइटिस - बहुत अधिक होना चाहिए। हालांकि, गंगा नदी का नैसर्गिक जल इस प्रकार की महामारी को शून्य कर देता है। अन्य जल स्रोतों के विपरीत, जो समान परिस्थितियों में रोगजनकों के लिए प्रजनन आधार बन जाते हैं, गंगा संदूषण के लिए एक अंतर्निहित प्रतिरोध प्रदर्शित करता है। यह गंगा नदी की नैसर्गिक निर्मलता असंख्य धर्मावलंबियों के सुस्वास्थ्य को अभिवृद्ध ही करता है।

वैज्ञानिकों ने लंबे समय से इस अद्वितीय आत्म-शुद्धिकरण घटना के पीछे रहस्य को उजागर भी किया है।

केईएम अस्पताल, मुंबई द्वारा वैज्ञानिक अध्ययन: गंगा पानी पर सबसे पेचीदा अध्ययनों में से ताज़े एक अध्ययन को 2025 में आयोजित किया गया है। केईएम अस्पताल, मुंबई में एक प्रसिद्ध छाती रोग विशेषज्ञ एस आर कामथ द्वारा 2025 प्रयागराज महाकुंभ मेले में किया गया वैज्ञानिक परीक्षण है।

डॉ कामथ और उनकी टीम ने पांच अलग -अलग स्थानों से पानी के नमूने एकत्र किए-

1 रिवरबैंक से, 2 नदी के अंदर कुछ मीटर पर, 3 वह क्षेत्र जहां अधिकांश तीर्थयात्रियों ने स्नान किया, 4 गंगा का मध्य भाग, 5 संगम का संगम बिंदु

इन नमूनों को केईएम हॉस्पिटल की प्रयोगशाला और हाफकिन इंस्टीट्यूट, मुंबई में बैक्टीरियोलॉजिकल और वायरोलॉजिकल परीक्षण के लिए भेजा गया, जो माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों के प्रमुख अनुसंधान केंद्र हैं।

अध्ययन के परिणाम मौजूदा सूक्ष्मजीवविज्ञानी सिद्धांतों को आश्चर्यजनक और चुनौती प्रदान रहे हैं-

किसी भी नमूने में कोई हानिकारक बैक्टीरिया नहीं पाया गया।

रोगजनक रोगाणुओं की उपस्थिति पूरी तरह से अनुपस्थित थी।

इसके बजाय, पानी में बैक्टीरियोफेज की असामान्य रूप से उच्च सांद्रता की उपस्थिति की खोज की गई।

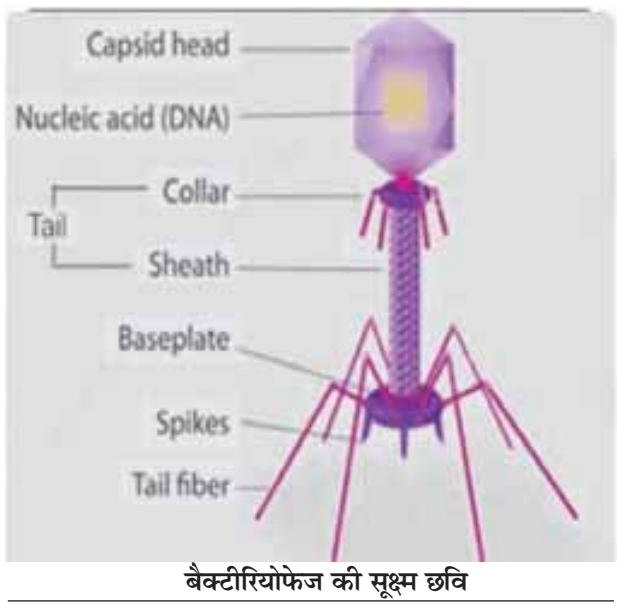

बैक्टीरियोफेज की सूक्ष्म छवि

बैक्टीरियोफेज क्या हैं? : बैक्टीरियोफेज वायरस हैं जो विशेष रूप से हानिकारक बैक्टीरिया को लक्षित और नष्ट करते हैं। बैक्टीरिया के ये प्राकृतिक शिकारी रोग पैदा करने वाले रोगाणुओं के प्रसार को रोककर गंगा पानी की शुद्धता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह खोज महत्वपूर्ण क्यों है ? : गंगा के पानी में बैक्टीरियोफेज की बहुतायत एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक के रूप में कार्य करती है, यह सुनिश्चित करती है कि नदी अपनी नैसर्गिकता को अवस्थित रखते हुए बड़े पैमाने पर मानव की असीम गतिविधियों के उपरान्त भी साफ रहती है। यह अद्वितीय स्व-सफाई क्षमता दुनिया की किसी भी अन्य नदी में नहीं मिलती है।

इस प्रकार, नदी में करोड़ों करोड़ मानवों के स्नान करने के बाद भी, गंगा पानी अपनी पवित्रता को बरकरार रखता है और संक्रामक रोगों के प्रसार को नैसर्गिकता के साथ रोकता है।

गंगा पानी के अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभः अपने रोग-निवारक गुणों से परे, गंगा पानी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ रखता है, जिनमें से कई आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान में समान रूप से मान्यता प्राप्त हैं-

1. प्रतिरक्षा को बढ़ाता है

गंगा के पानी में प्राकृतिक खनिजों और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की उपस्थिति प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है, जिससे यह समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक फायदेमंद हो जाता है।

2 पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करता है

गंगा जल सहायता पाचन में पाए जाने वाले प्राकृतिक एंजाइम और एक स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बढ़ावा देते हैं।

3 त्वचा विकारों का इलाज करता है

गंगा के पानी में स्नान करने से विभिन्न त्वचा की स्थितियों को कम करना भी सिद्ध है, जिसमें चकत्ते, संक्रमण और एलर्जी शामिल हैं।

4 मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देता है

पवित्र नदी में स्नान करना शांति की गहरी भावना को प्रेरित करने, तनाव को कम करने और आध्यात्मिक शुद्धि की भावना प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

5 निष्कर्ष : क्या गंगा का जल एक वैज्ञानिक आश्चर्य है ?

गंगा पानी की पवित्रता और औषधीय गुण केवल धार्मिक विश्वास नहीं हैं, बल्कि वैज्ञानिक परीक्षणों द्वारा दृढ़ता से समर्थित श्रेष्ठतम औषधीय जल भी है। बैक्टीरियोफेज की उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि नदी दुनिया में किसी भी अन्य जल निकाय के विपरीत, स्वाभाविक रूप से शुद्ध बनी हुई है।

कोई अन्य नदी इस तरह की असाधारण आत्म-सफाई क्षमता को प्रदर्शित नहीं करती है।

सदियों के वैज्ञानिक अनुसंधान के बावजूद, गंगा के पानी का रहस्य अनसुलझा है, आगे भी इसकी अनूठी और अलौकिक प्राकृतिक स्थिति को मजबूत करता है।

तथ्य यह है कि कोई भी महामारी कभी भी गंगा के पानी से उत्पन्न नहीं हुई है, यहां तक कि पृथ्वी पर वर्तमान के महाकुंभ आयोजन में सबसे वृहद मानव समारोहों के दौरान भी, इसके अद्वितीय जैविक और रासायनिक गुणों के लिए एक अद्भुत वसीयतनामा प्रदर्शित करती है।

गंगा सिर्फ भारत की सांस्कृतिक विरासत नहीं है; यह एक वैश्विक वैज्ञानिक चमत्कार है, जो प्रकृति के सबसे आकर्षक आत्म-शुद्धिकरण तंत्र की एक जीवित प्रयोगशाला है, और दुनिया में कहीं भी बेजोड़ शाश्वत शुद्धता का प्रतीक है।

आईपीएल सट्टेबाजी में लिप्त आरोपियों की धरपकड़ में पुलिस असफल

नर्मदापुरम। अब आप ही बताइए जो व्यक्ति विधायक और उनके परिवार के साथ होर्डिंग पर छपता, संरक्षण पाता हो उसे भला पुलिस गिरफ्तार कर सकती है..? हम बात कर रहे हैं आईपीएल सट्टेबाजी की जिसे लेकर की गई आत्महत्या के मामले में मृतक द्वारा लिखे सुसाइड नोट में आए उन नामों की, जिनके विरुद्ध पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है उनकी गिरफ्तारी के लिए ढूंढ रही है दबिश दे रही है पर इस ज्वलंत मामले में वे पुलिस की नजर से ओझल हैं..! इधर उनके हितैषी सामाजिक बुराई पर अंकुश लगाने के उन्हें पुलिस के सामने पेश नहीं कर पा रहे..! आईपीएल सट्टेबाजों के शिकार अमित दीवान, अमित उपाध्याय आत्महत्या का राज तब तक खुलकर सामने नहीं आ पायेगा जब तक सुसाइड नोट में दर्ज आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार करके उन्हें रिमांड पर लेकर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं करेगी.. देढ़ लाख की आबादी वाले नगर में केवल कुछेक जो जन-प्रतिनिधि, रसूखदार और धार्मिक आचार्यों के सामने सीधे और नतमस्तक होकर उनकी समीपता पा रहे, उसका लाभ सामाजिक बुराई कहे जाते उन कार्यों में संलग्न होकर वे युवाओं की नस्ल खराब कर रहे..! ऐसे सफेदपोशो को उनके हितैषियों को खुद आगे आकर समाज विरोधी कार्यों पर अंकुश लगवाने के लिए चिंतित होना चाहिए लेकिन नहीं ऐसा..? आईपीएल सट्टेबाजों के दबाव में आत्महत्या करने के मसले में जितने नाम आए हैं वे कहीं ना कहीं राजनैतिकों, उनके परिजनों, धर्माचार्य से जुड़े हैं तथा जो जन्मदिन, पद प्रतिष्ठा पाने पर, धार्मिक आयोजनों में भागीदारी कर होर्डिंग से प्रसिद्धि पाकर उसका गलत इस्तेमाल कर रहे। अपराध में लिप्त पाए जाने पर भी पुलिस उन्हें नहीं तलाश पा रही..! फिर होर्डिंग से प्रचार पाते राजनीतिक और उनके परिजन को मुफ्त में प्रचार प्रसार कर लाभान्वित करने वाले अपने ऐसे समर्थकों से तो उनकी आय का जरिया पूछा जाना चाहिए, प्रचार प्रसार करने वाला इस आड़ में गलत काम करके कहीं उन्हें दांव तो नहीं लगा रहा.. क्योंकि पद प्रतिष्ठा पाना कोई मुश्किल काम नहीं लेकिन पद प्रतिष्ठा पाकर उस पद की गरिमा बनाए रखना ही सर्वाधिक कठिन बात है।

वन कर्मचारी संघ ने लिखा पत्र

नर्मदापुरम। रालेगण सिद्धि के प्रवास के प्रमाण जिसमें विभागीय कोई स्वीकृति नहीं थी पर लाखों रु के फर्जी प्रतिपूर्ति भुगतान कर्मचारियों के थे इतना ही नहीं जिस दिन वाउचर कार्यालय में आया उसी दिन डीएफओ के पास ऑर्डर लग कर वाउचर ट्रेज़री भेज दिए गए जब की डीएफओ एक दिन पूर्व ही अकादमी में ट्रेनिंग के लिए भोपाल में थे..? फिर 11.95 लाख के प्रामाणिक ट्रेज़री को भेजने वाले कार्यालयीन कर्मचारी अभी तक निलंबित नहीं किए गए क्यों... इस मसले को लेकर मधुकर चतुर्वेदी संरक्षक वन कर्मचारी संघ नर्मदापुरम- ने मुख्यमंत्री मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन भोपाल को दुर्दांत चालाक भ्रष्ट डीएफओ को जांचों में प्रमाणित होने के बावजूद दंडित करने के स्थान पर पदोन्नत किये जाने से पर पत्र लिखा गया है। श्री चतुर्वेदी ने अपने पत्र में लिखा है कि उनके द्वारा अजय कुमार पाण्डे आईएफएस तत्कालीन डीएफओ होशंगाबाद की आर्थिक अनियमितता, कर्मचारियों को निलंबित और बगैर जांच के बर्खास्त किए जाने सहित बिना अधिकार के अभियोजित किए जाने की अनुमति देकर कर्मचारियों को आर्तकित करने की शिकायते उनके द्वारा समय-समय पर की गई थी जो शासन द्वारा आईएफएस अधिकारियों की समिति दिनांक 05/01/2022 को एवं श्रीमती एल. कृष्णमूर्ति की अध्यक्षता में बनाकार जांच कराई थी सत्य पाए जाने पर केवल 1 प्रकरण में विभागीय जांच प्रारंभ कर गई है, किन्तु शेष विषयों में दोषी पाए गए अजय कुमार पाण्डे आईएफएस तत्कालीन डीएफओ होशंगाबाद के खिलाफ जांच रिपोर्टों पर वन विभाग के अधिकारियों का मौन साधे हुए हैं यह भ्रष्टाचारियों का सहयोग करना ही प्रमाणित करता है। उसकी मेरे द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में जनहित याचिका भी दाखिल की है श्री चतुर्वेदी ने पत्र में आगे लिखा कि, चूंकि अजय कुमार पाण्डे आईएफएस तत्कालीन डीएफओ होशंगाबाद जून 2025 में रिटायर हो जाएंगे , तब तक यदि दंडित न किए गए तो माननीय प्रधान मंत्री जी का आश्वासन कि , न खाऊंगा , न खाने दूंगा , को धोखा समझा जाएगा और भ्रष्टाचारियों पर शासन नकेल नहीं लगा पायेगा। श्री चतुर्वेदी ने दोषी अजय कुमार पाण्डे आईएफएस तत्कालीन डीएफओ और उनके सहयोगी सहित जंगल माफियाओं से सांठ-गांठ तथा विभाग के संरक्षकों को उचित दण्ड की कार्यवाही करने को कहा है। जिसकी प्रति उन्होंने प्रमुख सचिव वन मंत्रालय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख सहित मुख्य वन संरक्षक नर्मदापुरम को भी दी है।

गौ-वंश प्रकरण में फरार आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

बैतूल। गौवंश वध प्रकरण में फरार आरोपी सफदर कुरैशी (51 वर्ष) एवं उसकी पत्नी नाजिया कुरैशी (45 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 11, आठनेर को पुलिस ने महाराष्ट्र के अमरावती से गिरफ्तार किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 15 सदस्यीय पुलिस दल तीन दिनों से अमरावती जिले में ही था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय द्वारा इनका जेल वारंट जारी होने पर उन्हें जेल भेज दिया गया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी हामिद कुरैशी एवं फरार आरोपियों सफदर कुरैशी व नाजिया कुरैशी के विरुद्ध गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4/9, 5/9, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ) एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री के पुत्र का विवाह, उपहार में पौधे भेंट

बैतूल। केन्द्रीय कृषि व पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज साधना सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय व कुणाल चौहान के विवाह

समारोह में जैत में उपहार में मुक्त वातावरण बनाने व पर्यावरण सुरक्षा के तहत जनमानस में जागृति लाने के उद्देश्य को लेकर क्षेत्रवासियों ने पौधा भेंट किया गया। पर्यावरण बचाने के लिए विगत कई वर्षो से कार्य कर रहे पर्यावरणविद मदनलाल डढोरे व उनके साथियों ने नेग आदि ना देते दहेज में पौधा भेंट कर जीवन बचाओ, पौधे लगाओ अभियान के तहत पौधा भेंट कर अनुकरणीय पहल की। इस अवसर पर उपस्थित किराड़ महासभा अध्यक्ष दयाल पटेल हारोड़े, आरके लिल्होरे, भाजपा नेता मंशु चौरे, शेखर हारोड़े, मनोहर लिल्होरे व कमलेश डढोरे ने कहा कि ऐसे ही प्रयास से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। विवाह समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधि, अधिकारियों व सामाजिक बंधुओं ने इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे ही उपहार आवश्यक हैं। इस मौके पर जिले से अनेक सामाजिक बंधु मौजूद थे।

जिले में 660 उचित मूल्य दुकानें, हर माह हितग्राहियों को मिलता है गेहूं, चावल और नमक

● 20 प्रतिशत लोगों ने नहीं कराई ई-केवाईसी, रहना पड़ सकता है राशन से वंचित

बैतूल। जिले में 660 उचित मूल्य की दुकानें हैं। जहां से करीब 3 लाख 10 हजार परिवारों के लगभग 12 लाख 50 हजार सदस्य प्रतिमाह राशन लेते हैं। लेकिन अब भी मात्र 20 फीसदी सदस्यों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। यदि इन लोगों ने जल्द ही ई-केवाईसी नहीं कराई तो आने वाले समय में इन लोगों को राशन से वंचित रहना पड़ सकता है। दरअसल खाद्य मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि यदि ई-केवाईसी नहीं कराई गई तो ऐसे हितग्राहियों को राशन नहीं दिया जाएगा। जिले में ऐसे हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर पीओएस मशीन से ई-केवाईसी कराना जरूरी होगा। बता दें कि जिले में ई-केवाईसी अभियान चलाया जा रहा है। अगर इस प्रक्रिया का पालन समय रहने नहीं किया तो उन्हें वन नेशन, वन कार्ड की सुविधा से वंचित रहकर राशन से मरहूम होना पड़ेगा। बैतूल जिले की बात करें तो जिले के 10 ब्लाक में कुल 660 राशन दुकाने संचालित हो रही है। जहां से पात्र व्यक्ति को सरकार की तरफ से 3 किलो गेहूं, 2 किलो चावल दिया जाता है, जबकि अंत्योदय योजना के हितग्राहियों को 22 किलो गेहूं, 1 किलो शकर, 13 किलो चावल व 1 रुपए प्रति किलो नमक मिलता है।

प्रतिमाह मिलता है गेहूं, चावल, शकर व नमक- जिले में ई-केवाईसी अभियान चलाया जा रहा है। बैतूल जिले में अभी तक 80 प्रतिशत हितग्राहियों की ही ई-केवाईसी का काम पूरा हुआ है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिले में करीब 3 लाख 10 हजार परिवारों को राशन दिया जाता है, जो प्रतिमाह

राशन दुकानों से गेहूं, चावल, शकर व नमक लेते चले आ रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी हितग्राहियों ने ही ई-केवाईसी कराई है। जानकारी अनुसार पूरे जिले में 3 लाख 10 हजार परिवार हैं, जिनके 12 लाख 50 हजार सदस्यों को प्रतिमाह राशन मिलता है। इसमें से अभी तक 80 फीसदी हितग्राही ही ई-केवाईसी करा सके हैं। शेष बचे 20 फीसदी हितग्राहियों को सरकार द्वारा नियत की गई तारीख तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है ।

ई-केवाईसी कराने में व्यावहारिक दिक्कतें भी- जिले में लगभग 20 फीसदीलोग ई-केवाईसी से वंचित हैं, जिन्हें व्यवहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिले में कई मजदूर ऐसे हैं, जिन्हें अपना परिवार चलाने के लिए काम करने जिले के बाहर जाना पड़ा है। ऐसे मजदूर अपने परिवार का ई-केवाईसी नहीं करा सके हैं। इसके अलावा पांच साल से कम उम्र के बच्चों का आधार अपडेट नहीं होने से ई-केवाईसी में परेशानी आ रही है। वहीं बुजुगों के फिंगर पीओएस मशीन नहीं ले पा रही है, जिससे ई-केवाईसी नहीं हो पा रही है। ऐसे परिवारों को आगामी दिनों राशन से वंचित रहना पड़ सकता है।

ई-केवाईसी में तीसरे स्थान पर बैतूल

जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की माने तो जिले में ई-केवाईसी की रफ्तार अन्य जिलों की अपेक्षा बेहतर है। राशन हितग्राहियों की ई-केवाईसी के मामले में बैतूल जिला प्रदेश में तीसरे पायदान पर है। जिले में अब तक 80 फीसदी राशन लेने वाले हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराई जा चुकी है। शेष 20 प्रतिशत सदस्यों की ई-केवाईसी का कार्य भी तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस माह के अंत तक या मार्च के प्रथम पखवाड़े तक छुटे हुए हितग्राहियों के ई-केवाईसी का काम पूरा हो जायेगा। अधिकारियों की माने तो फरवरी माह में राशन लेने आने वाले हितग्राहियों में से जो भी ई-केवाईसी से छूट गये है, उनकी ई-केवाईसी कराई जायेगी।

इनका कहना है -

जिले में ई-केवाईसी का काम 80 फीसदी हो चुका है। जल्द ही बचे हुए हितग्राहियों की भी ई-केवाईसी कराई जायेगी। ई-केवाईसी करने वाले जिलों में बैतूल प्रदेश में तीसरे स्थान पर है।

- केके टेकाम, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल।

70 किलोग्राम वर्ग में पूर्व सैनिक योगेश बने बॉडी बिल्डिंग चैंपियन

बैतूल। दिलबहार चौक गंज में 9 फरवरी को आयोजित स्टेट लेवल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में एसपी रॉयल जिम के संचालक और पूर्व सैनिक योगेश कुमार ने अपनी शानदार फिटनेस और परफेक्ट बॉडी प्रपोर्शन के दम पर 70 किलोग्राम भार वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। है। उनके छोटे भाई विजय कुमार पोटफोडे (टीआरएफ) ने भी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 60 किलोग्राम भार वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं ने बताया कि इस उपलब्धि में उनके छोटे भाई प्रशांत (टीबीएफ) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व सैनिक योगेश कुमार ने

बताया उन्होंने अपनी फिटनेस को संवारने और बॉडीबिल्डिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कठोर परिश्रम किया। यह पहला मौका नहीं है जब योगेश कुमार ने अपनी फिटनेस का लोहा मनवाया हो। इससे पहले संभाग स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में भी वे अपनी मजबूत मांसपेशियों और शानदार प्रदर्शन के दम पर 'मोस्ट मस्कुलर' का खिताब जीत चुके हैं। योगेश कुमार ने यह साबित कर दिया कि अगर अनुशासन, समर्पण और मेहनत के साथ कोई लक्ष्य तय किया जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। उनकी इस शानदार जीत पर बैतूल के खेल प्रेमी, फिटनेस ट्रेनर्स और जिम प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है।

हर लंबित राजस्व प्रकरण पर लगेगा 250 रुपए का जुर्माना : कलेक्टर

ई-ऑफिस प्रणाली शीघ्र लागू करें, अधिकारियों के अवकाश पर रहेगा प्रतिबंध

बैतूल। हर लंबित राजस्व प्रकरण पर संबंधित एसडीएम और तहसीलदार पर प्रति प्रकरण के मान से 250 रुपए की शास्ती अधिरोपित की जाएगी। इसी प्रकार लोकसेवा गारंटी के प्रकरण भी लंबित पाए जाने पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलवार राजस्व और लोकसेवा गारंटी के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने जिले में ई-ऑफिस प्रणाली शीघ्र लागूं करने के निर्देश दिए। बताया गया कि इस प्रणाली के तहत सभी विभागों की अधिकारियों, कर्मचारियों की ईमेल आईडी रहेगी, जिससे नोटशीट, फाइल संचालन, ऑर्डर इत्यादि सभी शासकीय गतिविधियां कंप्यूटराइज्ड रूप में होगी। उन्होंने जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को सभी कर्मचारियों की ईमेल आईडी प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अंकुर अभियान के तहत सभी संबंधित विभागों को द्वितीय फोटो अपलोड की कार्यवाही भी यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में स्वास्थ्य और जनजातीय कार्य विभागों को शेष बचे बच्चों का भी सर्वाइकल कैंसर के प्रति टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले की सभी तहसीलों में पटवारी अपने निर्धारित फील्ड दिवसों पर अनिवार्य रूप से भ्रमण करें। एसडीएम इसकी सतत मॉनिटरिंग करें। साथर्क ऐप पर पटवारी फील्ड विजिट की एंट्री भी कराए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर सभी राजस्व अधिकारियों को पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर कानून व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, श्रम, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, राजस्व इत्यादि विभागों को शिकायतों के निराकरण में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी विभागों को 15 फरवरी तक 90 प्रतिशत से अधिक शिकायतों को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान सभी जिला अधिकारियों के अवकाश पर प्रतिबंधित रहेगा। बिना सक्षम अनुमति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय से बाहर नहीं जाएगा। उन्होंने सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर को प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप शीघ्र प्रकरण स्वीकृत और वितरित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्राप्त वित्तीय बजट का भी सदुपयोग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी कक्षाओं की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। सभी अधिकारी जिनकी परीक्षा व्यवस्था में ड्यूटी लगाई गई। वे अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं। पूरी पारदर्शिता से परीक्षा संपन्न कराएं। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल इत्यादि की सभी व्यवस्थाएं की जाए। बताया गया कि आगामी शुक्रवार को भारत भारती आईटीआई में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक इत्यादि संस्थाओं को ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मेले से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

तीन दिवसीय विश्वकर्मा जयंती महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न, निकली वाहन रैली

बुजुर्गों के पैर पखारे, दिवंगत आत्माओं को दी श्रद्धांजलि

बैतूल। श्री विश्वकर्मा बढ़ई समाज समिति द्वारा भगवान विश्वकर्मा प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव के तीसरे और अंतिम दिन सोमवार 10 फरवरी को श्री विश्वकर्मा बढ़ई समाज समिति द्वारा ऐतिहासिक वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जिसमें सैकड़ों समाजबंधुओं ने भाग लिया। तीन दिवसीय आयोजन में हवन, पूजन, विशाल वाहन रैली और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाज के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया और समाजहित में योगदान देने वालों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। हजारों समाजबंधुओं की उपस्थिति में भव्य समारोह संपन्न हुआ। समाज समिति प्रमुख बलवीर मालवी ने बताया कि तीन दिवसीय आयोजन के पहले दिन भगवान विश्वकर्मा और लक्ष्मीनारायण का विधिवत पूजन और अभिषेक कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा बच्चों और बड़ों के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें जिलेभर से स्वजातीय बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के अंतिम दिन जिलेभर से पधारे समाज बंधुओं द्वारा हवन-पूजन किया गया। इसके बाद विश्वकर्मा बढ़ई समिति द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों से विशाल वाहन रैली निकाली गई, जिसमें समाज के हजारों लोगों ने सहभागिता की। वाहन रैली के बाद मंदिर प्रांगण में आयोजित समारोह में लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त कन्हैय्यालाल मालवी और रुक्मणि मालवी ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत में जिले से पधारे बुजुर्गों के पैर समिति द्वारा पखारे गए, जिसके बाद समाज की दिवंगत आत्माओं को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समिति द्वारा विगत 51 वर्षों से यह भव्य जयंती आयोजन समाज के सहयोग से किया जा रहा है। समिति समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की भी हरसंभव मदद करने का प्रयास करती है। कार्यक्रम का मंच संचालन सचिव शशिकांत मालवी ने किया।

प्रतिभागियों को किया सम्मानित

तीन दिवसीय भव्य आयोजन के अंतिम दिन मंच से सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा समाज हित में अतुलनीय योगदान देने वाले स्व गेंदलाल मालवी, स्व रतनलाल मालवी और स्व नाथूराम मालवी को मरणोपरांत 'विश्वकर्मा रत्न' से सम्मानित किया गया। जनहित में उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ निधि मालवी, डॉ अक्षय मालवी और एडवोकेट अदिति मालवी को विशिष्ट पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाले सामाजिक बंधुओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बैतूल विधानसभा के विधायक हेमंत खंडेलवाल, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उइके, आमला विधायक योगेश पंडागरे, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, जिला पंचायत अध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिले के प्रमुख व्यवसायी दीपक कपूर, राजेश आहूजा, डॉ अरुण जयसिंगपुरे, धीरज हिरानी, प्रवीण बिहारे, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बैतूल आनंद प्रजापति, भाजपा नेता जुबेर पटेल, चंद्रभान सिंह चंदेल सहित हजारों समाजबंधु उपस्थित रहे।

व्यापारी के साथ लूट करने वाले फरार आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। थाना कोतवाली पुलिस ने व्यापारी के साथ लूट की घटना में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह लूट महाराष्ट्र के एक व्यापारी के साथ की गई थी, जिसमें व्यापारी से नकदी, मोबाइल फोन तथा मवेशी लूटकर आरोपी फरार हो गए थे। इस मामले में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है, जबकि एक फरार आरोपी को पुलिस ने अब गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 2 फरवरी को अरबाज शाह पिता इनूस शाह उम्र 24 वर्ष निवासी अंजनगांव, अमरावती (महाराष्ट्र) ने थाना कोतवाली बैतूल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने दोस्त अर्षित शाह के साथ अपनी इन्ट्रा पिकअप वाहन से मवेशी खरीदने के लिए 1 फरवरी को बैतूल आया था। फरियादी ने ग्राम हिवरखेडी निवासी अशोक काका से दो भैंस तथा संतोष यादव से एक भैंस व एक पाडा कुल चार मवेशी खरीदे थे। शाम करीब 06.30 बजे जब वे ग्राम कोदा रोटी के पास स्थित श्मशान घाट पुल से गुजर रहे थे, तभी एक सफेद रंग की टवेरा वाहन के चालक ने उनकी पिकअप के सामने टवेरा लाकर जबरदस्ती रोक दिया। इसके बाद टवेरा चालक और उसके साथियों ने फरियादी एवं उसके दोस्त अर्षित शाह को पिकअप से नीचे उतारकर उनके पास रखे 60,000 नकद व मोबाइल फोन जबरदस्ती छीन लिए। इसके बाद आरोपियों ने उनकी पिकअप वाहन समेत तीन भैंस और एक पाडा भी लूट लिया और मौके से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली बैतूल में धारा 309(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई।

कोतवाली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टवेरा वाहन के चालक रामकिशोर यादव उर्फ श्रीराम यादव (24 वर्ष) निवासी

ग्राम डोक्या पाढर, थाना कोतवाली बैतूल को 2 फरवरी को एवं आरोपी हरिओम यादव (21 वर्ष) निवासी डोक्या पाढर खुर्द को 4 फरवरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। इस प्रकरण में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी थी। कोतवाली पुलिस ने 8 फरवरी को फरार आरोपी मोहित यादव (24 वर्ष) निवासी कल्याणपुर को हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मोहित यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी मोहित यादव के कब्जे से एक बैंक एटीएम कार्ड एवं एटीएम से निकाले गए 2000 नकद को विधिवत जप्त किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

बेटों की शादी की रस्में शुरू, साधना संग थिरके शिवराज

भोपाल। शिवराज सिंह चौहान के बेटों कुणाल और कार्तिकेय की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। विवाह से पहले पारंपरिक रस्मों के साथ पूजन हुआ। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के परिवार में खुशियों का माहौल है, क्योंकि उनके दोनों बेटों की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। रस्म के दौरान शिवराज सिंह ने साधना संग जमकर नाच गाना किया। छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान का विवाह 14 फरवरी को भोपाल में और बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान का विवाह 6 मार्च को उदयपुर में संपन्न होगा।

पारंपरिक रस्में शुरू

शादी की रस्मों की शुरुआत करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने अपनी पत्नी साधना सिंह और बेटों के साथ सलकनपुर में मां बिजासन के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद कुणाल सिंह चौहान ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर इष्टदेव हनुमानजी, कुल देवी, ग्राम देवी और अन्य देवताओं का आशीर्वाद लिया।

नर्मदा मैया की पूजा कर अर्पित की गई सुहाग सामग्री

शिवराज सिंह चौहान और साधना सिंह ने लाला हरदौल को घोड़े अर्पित कर विवाह का निमंत्रण दिया, जो मध्य प्रदेश की विवाह परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साथ ही नर्मदा मैया की पूजा कर सुहाग सामग्री अर्पित की गई। साधना सिंह ने महिलाओं के साथ मिलकर पारंपरिक खनमट्टी की रस्म भी निभाई।

एम्स में कंट्रोवर्सी एंड कंसेंसस इन मैनेजमेंट फैक्चर सुप्राकोन्डाइलर ह्यूमरस इन चिल्ड्रन विषय पर व्याख्यान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ में बच्चों में सुप्राकॉन्डिलर ह्यूमरस फैक्चर के प्रबंधन में विवाद और सहमति पर एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान केजीएमयू के पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स विभाग की स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा था। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर सिंह के बाल ऑर्थोपेडिक सर्जरी में व्यापक अनुभव और अग्रणी योगदान को रेखांकित किया गया। उनके व्याख्यान में बच्चों में फ्रैक्चर प्रबंधन के बदलते परिदृश्यों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सुप्राकोंडिलर ह्यूमरस फ्रैक्चर के उपचार से जुड़ी चुनौतियों और प्रगति पर चर्चा की गई। ये फ्रैक्चर बच्चों में सबसे आम चोटों में से एक हैं, जो अक्सर सर्जिकल और गैर-सर्जिकलउपचार के निर्णयों को जटिल बनाते हैं। प्रोफेसर सिंह ने उपचार प्रोटोकॉल में चल रहे विवादों को स्वीकार करते हुए नवीनतम सहमति-आधारित दृष्टिकोणों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उनकी प्रस्तुति में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं, सर्जिकल नवाचारों और युवा रोगियों के लिए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल रणनीतियों पर जोर दिया गया। स्थापना दिवस समारोह में क्षेत्र भर के प्रमुख संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर छात्रों और चिकित्सा पेशेवरों ने भाग लिया। इस सत्र ने बाल ऑर्थोपेडिक्स में सर्वोत्तम प्रथाओं पर ज्ञान विनिमय और चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

पीएमश्री एयर एंबुलेंस से चार वर्षीय बालिका को एम्स भोपाल किया गया एयरलिफ्ट

भोपाल। बालाघाट जिले के लालबर्रा निवासी चार वर्षीय बालिका को गंभीर स्थिति में पीएम श्री एयर एंबुलेंस की मदद से भोपाल एम्स लाया गया। बालिका सेरेब्रल पाल्सी और न्यूमोनिया से ग्रसित थी और स्थानीय अस्पताल में इलाज के बावजूद उसकी हालत बिगड़ती जा रही थी। चिकित्सकों की सलाह पर जिला प्रशासन के सहयोग से उसे उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं के लिए भोपाल एम्स भेजा गया। एम्स भोपाल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने तुरंत इलाज शुरू की और अब बच्ची की हालत स्थिर है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, एम्स भोपाल हमेशा समाज के प्रत्येक वर्ग को विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए तत्पर है। पीएम श्री एयर एंबुलेंस जैसी सेवाएं गंभीर मरीजों को जीवन रक्षक उपचार समय पर उपलब्ध कराने में सहायक हैं। यह एम्स भोपाल के प्रति लोगों के भरोसे को और मजबूत करता है, क्योंकि यहां की चिकित्सा सेवाएं अब अधिक लोगों तक पहुंच रही हैं। बालिका के पिता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और एम्स प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि पीएम श्री केयर एयर एंबुलेंस योजना के तहत मेरी बेटी को समय पर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकी।

मुख्यमंत्री ने देहदान व अंगदान को प्रोत्साहित करने लिये ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देहदान एवं अंगदान को प्रोत्साहन देने और देहदान करने वाले नागरिकों का सम्मान करने के लिये ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया है और आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह समाज के लिए प्रेरणादायक कदम है। उन्होंने कहा कि देहदान और अंगदान जीवन का सबसे महान दान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह निर्णय निश्चित ही अधिक से अधिक लोगों को अंगदान और देहदान के लिए प्रेरित करेगा। इसके माध्यम से अनेक लोगों को नया जीवन प्राप्त होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह पहल चिकित्सा सेवा क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगी, साथ ही समाज में मानवता एवं सेवा के मूल्यों को भी प्रोत्साहित करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उन सभी व्यक्तियों और परिवारजन का अभिनंदन किया है जिन्होंने अंगदान और देहदान के लिए स्वीकृति दी है।

'सिंधिया' का ऐसा भी अंदाज, दिल जीत लेगा

घुटनों के बल बैठकर खिलाड़ी के जूते का बांधा फीता

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर हैं। सोमवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की एक ऐसी तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हुई जिसे देखकर आप उनकी सादगी के हैरान हो जाएंगे। ग्वालियर रियासत के महाराज का ऐसा अंदाज शायद ही आपने देखा होगा। ज्योतिरादित्य सिंधिया घुटने के बल बैठकर एक खिलाड़ी के जूते का धागा बांधने लगे। वहां मौजूद जिसने भी सिंधिया का यह अंदाज देखा वह हैरान रह गया। शायद ही किसी ने ऐसी कल्पना की हो कि ज्योतिरादित्य सिंधिया इतने सरल हो सकते हैं।

दरअसल, गुना जिले में सांसद खेल महोत्सव में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पहुंचे थे। यहां सिंधिया ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया तो एक खिलाड़ी

के तौर पर खेल के मैदान में भी उतरे। सांसद खेल महोत्सव में जूडो, कबड्डी, खो खो, बॉलीबॉल, रस्साकसी, लॉग जंप, गोला फेंक, दौड़ आदि कई खेलों को शामिल किया गया है।

खिलाड़ियों के परिचय के दौरान बांधे धागे

सांसद खेल महोत्सव में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खिलाड़ियों का परिचय लिया। जब सिंधिया खिलाड़ियों का परिचय ले रहे थे इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक खिलाड़ी के जूते के फीते खुले हुए हैं। जब खिलाड़ी ने फीते की तरफ देखा तो वह नीचे झुकने लगा। इससे पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद घुटने के बल बैठ गए और खिलाड़ी के जूते के फीते बांधे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने सिंधिया के अंदाज को देखकर जमकर तालियां बजाई। सिंधिया ने इस दौरान खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना के खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों को इस दौरान बड़ी सौगात भी दी। सिंधिया ने कहा- यहां 25 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक स्टेडियम के निर्माण किया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि नया स्टेडियम सिर्फ एक निर्माण नहीं, बल्कि गुना के खेल भविष्य की नींव है। इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सिंधिया ने खेल में भी लिया हिस्सा

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस दौरान खेल में भी हिस्सा लिया। सिंधिया ने खिलाड़ियों के साथ कई खेल खेले। बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया अक्सर खिलाड़ियों के बीच खेल खेलते नजर आते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया का खेल प्रेम जगजाहिर है।

भोपाल में दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

मां की दोस्त के पति ने की थी मासूम से ज्यादती, ढाई साल बाद आया फैसला

भोपाल। मिसरोद इलाके में चार साल की बच्ची से ज्यादती के मामले में कोर्ट ने रेपिस्ट को 20 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला कुमुदिनी पटेल विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने सोमवार को सुनाया। आरोपी लोकेश धुर्वे बच्ची की मां की दोस्त का पति है। जानकारी के मुताबिक, 1 जून 2022 को शाम 5:30 बजे बच्ची की मां क्लीनिक पर गई थी। इस बीच बच्ची को अपनी दोस्त के घर छोड़ गई थी। यह दोस्त बच्ची को ट्यूशन भी पढ़ाती थी। लिहाजा बच्ची उसके पास ठहर जाया करती थी। घटना की शाम को महिला ने लौटने के बाद बच्ची को लिया घर चली गई।

नहलाने के दौरान बच्ची ने की दर्द की शिकायत

इन दिनों गर्मी अधिक थी, बच्ची की मां ने उसे नहलाना चाहा। इस बीच बच्ची ने प्राइवेट पार्ट में दर्द की शिकायत की। पूछताछ में बच्ची ने मां को बताया कि, लोकेश अंकल ने उसके प्राइवेट पार्ट में बेड टच किया है। इससे उसे दर्द हो रहा है। जिसके बाद पीड़िता की मां बेटी को लेकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज करा दी।

इन धाराओं में आरोपी को दी गई सजा

मिसरोद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से ही केस विचाराधीन था। सोमवार को कोर्ट ने आरोपी को धारा 377, 376(क,ख), भादवि एवं धारा 5एम/6 पॉक्सो एक्ट दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी सजा सुनाई। आरोपी लोकेश धुर्वे को धारा 376(क)(ख) भादवि 5 एम /6 पॉक्सो एक्ट मे 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1 हजार रुपए अर्थदंड एवं धारा 377 भादवि मे 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रू अर्थदंड से दंडित किए जाने का निर्णय पारित किया है। इस केस में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला ने पैरवी की।

श्रद्धालुओं की मदद के लिए पहुंचे भाजपा संगठन महामंत्री

खुद बांटा भोजन-पानी; कार्यकर्ताओं से कहा-मदद में जुटो

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालु मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगे जाम के कारण परेशान हैं। इन श्रद्धालुओं की मदद करने बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा खुद पहुंचे हैं। उन्होंने कटनी, मैहर, रीवा, मऊगंज पहुंचकर श्रद्धालुओं की मदद के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संगठन महामंत्री ने श्रद्धालुओं को भोजन और पेयजल वितरित किया। कार्यकर्ताओं से श्रद्धालुओं की मदद के लिए जुटने के लिए कहा है।

चाय, पानी, भोजन से लेकर दवाईयों तक की व्यवस्था- कोरोना संकट के दौरान बीजेपी ने आम लोगों की मदद के लिए राशन, दवाओं, आवागमन सहित तमाम व्यवस्थाओं में मदद की थी।

अब प्रयागराज महाकुंभ के रास्ते में लगे जाम में बीजेपी के कार्यकर्ता मदद में जुट गए हैं। बीजेपी के कार्यकर्ता प्रयागराज जाने वाले रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं को चाय, पानी, भोजन, दवाइयां सहित जरुरी सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही जाम में फंसे लोगों को बीजेपी कार्यकर्ता गाइड भी कर रहे हैं।

महाकुंभ-श्रद्धालुओं को जाम से बचाने और उनकी अन्य समस्याएं दूर करने कांग्रेसजन मदद करें : जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुये कहा है कि कुंभ मेले में भाग लेने प्रयागराज जा रहे एवं वहां से वापस लौट रहे नागरिकों, जिसमें, बच्चे, युवा, महिलाएं, बुर्जुग बहुत ज्यादा भीड़ होने के कारण जाम में फंसे हुये हैं। उनको खाने पीने सहित अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनकी हर संभव मदद करें।

श्री पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के विभिन्न मार्गों से चाहे विंध्य क्षेत्र हो, चित्रकूट हो, कटनी से जबलपुर होते हुये श्रद्धालु प्रयागराज कुंभ मेले जा रहे हैं और वहां से वापस लौट रहे हैं, इससे 50-50 किलोमीटर तक लंबा जाम लगा हुआ है और मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों के लोग जाम में फंसे हुये हैं और उन्हें खाने-पीने सहित अन्य समस्याओं का सामाना करना पड़ा रहा है। प्रशासन द्वारा भी लोगों के जाम में फंसे होने की लगातार खबरे आ रही हैं और प्रशासन भी बार-बार श्रद्धालुओं से आग्रह कर रहा है कि जाम के चलते अभी कुंभ मेले में शामिल होने के लिए न पहुंचें।

श्री पटवारी ने प्रदेश के सभी कांग्रेसजनों से आग्रह करते हुये कहा कि हम सभी का दायित्व बनता है कि प्रयागराज कुंभ मेले में शामिल होने और वापिस आने वाले श्रद्धालुओं को जाम से निकालने और उनकी खाने-पीने सहित अन्य समस्याओं से निजात दिलाने के लिए हम सभी श्रद्धालुओं और प्रशासन का सहयोग करें और प्रत्येक कांग्रेसजन कुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करें, जो भी संभव हो सके श्रद्धालुओं की मदद करें, भीड़ से निकालने में उनका सहयोग करें, जो सभी के लिए सुगम होगा।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने अलग-अलग राज्यों में मूंगफली और सोयाबीन की खरीद अवधि बढ़ाने को दी मंजूरी

मूंगफली और सोयाबीन खरीद की अवधि बढ़ाई गई, भारत, दालों में आत्मनिर्भर बनेगा

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के अलग-अलग राज्यों में मूंगफली, और सोयाबीन की खरीद अवधि बढ़ाने को मंजूरी दी है। इसके अलावा अगले चार वर्षों तक तुअर, मूंग और उड़द की 100 प्रतिशत खरीदी को भी मंजूरी दी गई है। भारत सरकार ने 15वें वित्त आयोग चक्र के तहत 2025-26 तक एकीकृत प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है। इस योजना में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), मूल्य कमी भुगतान योजना (पीडीपीएस), बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) और मूल्य स्थिरीकरण निधि (पीएसएफ) जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि, पीएम आशा योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

पीएसएस के तहत सोयाबीन और मूंगफली की खरीद- केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 2024-25 के खरीफ सीजन के लिए छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तेलंगाना में सोयाबीन की खरीद को मंजूरी दी है। 9 फरवरी, 2025 तक 19.99 एलएमटी सोयाबीन की खरीद की गई है, जिससे 8,46,251 किसान लाभान्वित हुए हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में महाराष्ट्र में खरीद की अवधि 90 दिनों की सामान्य खरीद अवधि को 24 दिनों के लिए और तेलंगाना में 15 दिनों की खरीद अवधि बढ़ा दी है। ताकि किसानों को अधिक समय मिले। इसी तरह, सरकार ने खरीफ 2024-25 के लिए आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में मूल्य समर्थन योजना के तहत मूंगफली की खरीद को मंजूरी दी है। इसके अलावा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य के किसानों के हित में गुजरात में मूंगफली की खरीद की अवधि 90 दिनों की सामान्य खरीद अवधि से 6 दिन और कर्नाटक में 25 दिन की खरीद अवधि बढ़ा दी है।

तुअर, उड़द और मसूर की 100 प्रतिशत खरीद- केन्द्र सरकार ने दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100त्न के बराबर पीएसएस के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति दी है। सरकार ने बजट 2025 में यह भी घोषणा की है कि, देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से राज्य के उत्पादन के 100 प्रतिशत तक तुअर, उड़द और मसूर की खरीद अगले चार वर्षों तक जारी रहेगी। जिससे दालों के घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत दालों में आत्मनिर्भर बनेगा।

सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी की बढ़ने लगी मुश्किलें , एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

भोपाल । प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता पर एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के खिलाफ उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से उनके भ्रष्टाचार की शिकायत किए जाने के बावजूद , उन्हीं से जवाब मांगा जाना प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है वहीं प्रभाकर तिवारी के खिलाफ एनएसयूआई ने मोर्चा खोल दिया हैं ।

रवि परमार ने कहा कि गौरतलब है कि यह पत्र मध्यप्रदेश शासन के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी की पत्नी एवं संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, भोपाल संभाग, डॉ. नीरा चौधरी द्वारा जारी किया गया है। इससे यह संदेह उत्पन्न होता है कि कहीं किसी प्रकार का राजनीतिक दबाव तो नहीं बनाया जा रहा? आखिर क्या मजबूरी है कि शिकायतकर्ता की मांग के अनुरूप निष्पक्ष जांच के बजाय आरोपी अधिकारी से ही जवाब मांगा जा रहा है ?

रवि ने कहा कि डॉ प्रभाकर तिवारी और डॉ प्रज्ञा तिवारी के काले कारनामों की अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रहीं जबकि डॉ तिवारी द्वारा करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया गया हैं एनएसयूआई साक्ष्यों के साथ हाईकोर्ट जाएंगी सीएमएचओ कार्यालय के सिविल इंजीनियर हेमंत पटेरिया और अन्य डॉ और कर्मचारी फर्जी अस्पतालों से वसूली करके सीएमएचओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पहुंचाने का कार्य करते हैं

वहीं परमार ने ये भी कहा कि मध्य प्रदेश में पारदर्शिता और सुशासन की बात करने वाली सरकार को इस मामले में त्वरित संज्ञान लेना चाहिए और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए , ताकि आमजन का सरकारी तंत्र पर विश्वास बना रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से हास्य कलाकार एवं अभिनेता कपिल शर्मा ने भेंट की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रख्यात हास्य कलाकार और अभिनेता श्री कपिल शर्मा ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्री कपिल शर्मा ने बताया कि वे एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में कुछ सप्ताह भोपाल में रहेंगे।

अभिनेता श्री शर्मा ने कहा कि न सिर्फ भोपाल खूबसूरत शहर है बल्कि पूरा मध्यप्रदेश प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है।

यहाँ फिल्म निर्माण के लिए शासन-प्रशासन और सामाजिक स्तर पर अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री कपिल शर्मा को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री कपिल शर्मा के साथी कलाकार भी उपस्थित थे।

प्रयागराज महाकुंभ के श्रद्धालुओं की व्यवस्था में जनप्रतिनिधि करें सहयोग : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि दिव्य एवं भव्य महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। प्रयागराज महाकुंभ में बड़ी संख्या में प्रदेश एवं देश के अन्य भागों से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे दिव्य एवं भव्य आयोजन में सभी श्रद्धालुओं का सहयोग और अनुशासन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चाक घाट (रीवा) से लेकर जबलपुर, कटनी एवं सिवनी जिलों में यातायात बाधित होने की स्थिति में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पानी, ठहरने एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

आर्थिक विकास को मजबूती देने मुख्यमंत्री की लोकल से ग्लोबल तक सतत् यात्रा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बीते एक वर्ष में औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित करने के लिए उन्होंने न केवल रणनीतिक नीतियां बनाईं, बल्कि जमीनी स्तर पर निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए। बीते एक साल में मध्यप्रदेश ने 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती दी। इसके साथ ही 5 प्रमुख रोड शो आयोजित कर निवेशकों के साथ सीधा संवाद किया गया, जिससे प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को व्यापक मंच मिला।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री ने 3 देशों–यूके, जर्मनी और जापान की यात्रा कर वहां की प्रमुख कंपनियों और निवेशकों से संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आर्थिक विकास को मजबूती देने लोकल से ग्लोबल तक सतत् यात्रा जारी है। इन प्रयासों के फलस्वरूप प्रदेश में निवेश का नया माहौल बना और वैश्विक उद्योग जगत ने मध्यप्रदेश को अपनी विस्तार योजनाओं में प्राथमिकता देना शुरू किया। अब यह यात्रा और आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने वर्ष-2025 को 'उद्योग वर्ष' घोषित किया है जिससे औद्योगिक विकास के लिए साल भर गतिविधियां होंगी। भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इस दिशा में एक और बड़ा कदम है, जहां दुनिया भर के निवेशक, उद्योगपति और नीति निर्माता मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं का हिस्सा बनेंगे। यह सतत यात्रा न केवल प्रदेश की औद्योगिक सशक्तिकरण को दर्शाती है, बल्कि इसे देश के अग्रणी औद्योगिक केंद्रों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को भी सिद्ध करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने आर्थिक प्रगति की एक सशक्त और दूरदर्शी कार्य योजना के साथ निवेश आकर्षित करके महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह केवल औद्योगिक विस्तार का प्रयास नहीं, बल्कि प्रदेश को एक समृद्ध, आत्म-निर्भर और वैश्विक औद्योगिक केंद्र बनाने की रणनीति का हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में बनाई गई स्पष्ट, दूरगामी और व्यवहारिक नीति ने निवेशकों के विश्वास को मजबूत किया है। सूक्ष्म योजना, सतत् संवाद और ठोस नीतिगत सुधारों के जरिये निवेशकों की जरूरतों के अनुरूप आधारभूत संरचना को विकसित किया गया। इससे मध्यप्रदेश एक आदर्श औद्योगिक स्थान के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं का सूक्ष्म अध्ययन कर स्थानीय से वैश्विक स्तर तक निवेश आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई, जिसका प्रभाव अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक मंचों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

संभागीय स्तर पर निवेश अवसरों को सशक्त करने के लिए पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए। इनमें स्थानीय उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और संभावित निवेशकों को एक मंच पर लाकर क्षेत्रीय औद्योगिक क्षमताओं को उजागर किया गया। प्रत्येक संभाग की आर्थिक विशेषताओं के आधार पर उद्योगों को लक्षित किया गया। इससे उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, नर्मदापुरम, शहडोल और सागर में निवेशकों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। इन आयोजनों से स्पष्ट हुआ कि औद्योगिक विकास को जिला स्तर तक ले जाना न केवल आवश्यक है, बल्कि यह प्रदेश की समग्र आर्थिक प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

॥ मंदिरम् ॥

34

मां बमलेश्वरी देवी मंदिर, छत्तीसगढ़

डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर स्थित शक्तिरूपा मां बम्लेश्वरी देवी का विख्यात मंदिर आस्था का केंद्र है। बड़ी बम्लेश्वरी के समतल पर स्थित मंदिर छोटी बम्लेश्वरी के नाम से प्रसिद्ध है मां बम्लेश्वरी के मंदिर में प्रतिवर्ष नवरात्र के समय दो बार विराट मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें लाखों की संख्या में दर्शनार्थी भाग लेते हैं। चारों ओर हरे भरे वनों पहाड़ियों छोटे बड़े तालाबों एवं पश्चिम में पनियाजोब जलाशय उत्तर में धारा जलस्य तथा दाक्षिर में मड़ियाँ जलाशय से घिरा प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्णस्थान है-डोंगरगढ़ यहां पहाड़ी पर स्थित मंदिर पर जाने के लिए सीढ़ियों के अलावा रोपवे की सुविधा भी है। यहां यात्रियों की सुविधा हेतु पहाड़ों के ऊपर पेयजल की व्यवस्था, विद्युत प्रकाश, विश्रामालयों के अलावा भोजनालय व धार्मिक सामग्री खरीदने की सुविधा है। डोंगरगढ़ रायपुर से 100 नागपुर से 190 कि.मी. की दूरी पर स्थित है तथा मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग के अंतर्गत आता है।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पर चर्चा में प्रदेश के छात्रों से की बातचीत

लक्ष्य हासिल करने के लिये स्वस्थ रहना जरूरी : पीएम मोदी

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' में मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों से भी बात की। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा के दौरान आने वाली चुनौतियों का सामना करने और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने पर बातचीत की। विद्यार्थियों ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी से विभिन्न विषयों पर सवाल किये। इन सवालों का प्रधानमंत्री ने रोचक उदाहरणों के साथ जवाब दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में प्रसारित किये गये कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नियमित अभ्यास से परीक्षा के दौरान बेहतर समय प्रबंधन में मदद मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से जलवायु परिवर्तन पर भी बात की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिये हमारा स्वस्थ रहना जरूरी है। इसके लिये प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को पर्याप्त नींद लेने की समझाइश दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कक्षा 10वीं या 12वीं जैसी बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक न लाने को जीवन बर्बाद समझ लिया जाता है। यह सही तथ्य नहीं है। जीवन में सफलता की मंजिल के द्वार हमेशा खुले रहते हैं। इसके लिये विद्यार्थियों से उन्होंने लगातार कॉउंसिलिंग करने के लिये कहा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि विद्यार्थियों को तनाव से दूर रहने के लिये पढ़ाई के अलावा किसी अन्य हॉबी पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों से दोस्तों के साथ अपने विचारों को साझा करने की बात कही। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हर विद्यार्थी में कुछ खास गुणों के कारण विशिष्टता होती है। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थी की विशिष्टताओं से परिपूर्ण इस प्रतिभा को सामने लायें।

विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिक्रिया

विद्यालय के शिक्षक श्री राजेन्द्र जसूजा, श्री संजय झा और डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये उद्बोधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ''परीक्षा पे चर्चा'' विद्यार्थियों के तनाव को दूर करने में सहायक बना है। विद्यालय के विद्यार्थी अनस कुरैशी, रिया चौधरी, प्रियंका राठौर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पढ़ाई के साथ कौशल उन्नयन पर भी जोर दिया है। ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम के लिये प्रदेश से 18 लाख 27 हजार विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने अपना पंजीयन कराया था।

प्रधानमंत्री का संबोधन प्रेरणा देता है : सिंह

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ''परीक्षा पे चर्चा'' में प्रधानमंत्री श्री मोदी का संबोधन हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को कैरियर चयन के लिये विषय-विशेषज्ञों की कॉउंसलिंग की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि पालकों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने से बचना चाहिए।

ॅ स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को जानकारी देने के लिये नई-नई तकनीक उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन तकनीकों का अपने ज्ञान बढ़ाने में सही रूप में इस्तेमाल करें। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने कहा कि प्रदेश में विद्यार्थियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने स्वागत भाषण में ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री का उद्बोधन विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों को प्रेरणा देता है।

इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम को शीघ्र क्रियान्वित करें : मंत्री सिंह

भोपाल(नप्र)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने मध्यप्रदेश में सड़क और भवन परियोजनाओं के सुचारू संचालन और पारदर्शी निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आईपीएमएस के प्रथम चरण को फरवरी 2025 के अंत तक, द्वितीय चरण को मई 2025 तक और तृतीय चरण को जुलाई 2025 तक पूर्ण किया जाए। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वर्तमान वित्तीय वर्ष का बजट मार्च 2025 में सचिवालय स्तर पर आईपीएमएस के माध्यम से ही संसाधित किया जाए।

गत वर्ष लोक निर्माण विभाग का कार्य भार संभालने के बाद मंत्री श्री सिंह ने इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम को प्राथमिकता पर लागू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अगस्त 2024 को इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का चयन किया गया। एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक श्री भरत यादव, प्रमुख अभियंता (सड़क एवं पुल) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, मुख्य अभियंता एवं नोडल अधिकारी इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) श्री बी.पी. बोरासी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) क्रियान्वयन टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि आईपीएमएस एक ऑनलाइन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से निर्माण कार्यों की मांग से लेकर स्वीकृति, टेंडर प्रक्रिया,क्रियान्वयन, गुणवत्ता नियंत्रण और परफॉरमेंस गारंटी पूरी होने तक समस्त कार्यवाही ऑनलाइन होगी। इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग और एमपी रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा सड़कों, पुलों और भवन परियोजनाओं के डिजिटल एवं पारदर्शी प्रबंधन के लिए विकसित किया गया एक अत्याधुनिक प्रणाली है, जिसकी अनुमानित लागत 17 करोड़ रुपये है। इस प्रणाली में परियोजनाओं की योजना, निविदा प्रक्रिया, निर्माण, निरीक्षण, भुगतान और संपूर्ण मॉनिटरिंग को ऑनलाइन किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और कार्य की गति में उल्लेखनीय सुधार होगा।

नरेला विस के हर घर में होगा महा कुंभ जल का वितरण : मंत्री सारंग

भोपाल (नप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ से गंगा जल लेकर आये टैंकर का रहवासियों के साथ स्वागत किया। उन्होंने विधि-विधान के साथ पवित्र गंगा जल से भरे टैंकर की आरती कर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा के रहवासियों के लिए 'हर हर गंगे-हर घर गंगे' पहल की शुरुआत की है, जिसके तहत प्रयागराज महाकुंभ का पवित्र गंगा जल हर घर तक निःशुल्क पहुंचाया जाएगा। इस गंगा जल को विशेष रूप से

प्रयागराज से लाया गया है और इसे बोतलों में पैक कर वितरित किया जाएगा।मंत्री श्री सारंग ने बताया कि महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज से गंगाजल मंगवाया गया है। महाकुंभ प्रयागराज का यह पवित्र गंगा जल विशेष रूप से नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए जल को बोतलों में पैक कर निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इससे प्रत्येक नागरिक अपने घर पर ही स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकें एवं धार्मिक कार्यों में भी इसका उपयोग कर सकें।

रहवासियों में उत्साह एवं आभार- इस पहल पर स्थानीय रहवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने मंत्री सारंग के इस प्रयास के लिये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय रहवासियों ने हर्षोल्लास के साथ पुष्पवर्षा की और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में बदल दिया।

महाकुंभ गंगा जल का महत्व- गंगा जल हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व रखता है। इसे पवित्र और मोक्षदायी माना जाता है। महाकुंभ का गंगा जल प्राप्त करना भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

कटनी में मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

कटनी-मुड़वारा रेल खंड पर ट्रेनों का आवागमन बंद; रेलकर्मी ट्रैक को खाली करने में जुटे

कटनी (नप्र)। कटनी रेलवे स्टेशन पर सोमवार दोपहर करीब 3 बजे सीमेंट से लदी मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। दरअसल, सीमेंट से लदी मालगाड़ी मैनपुरी से बीना की ओर जा रही थी। हादसा कटनी-मुड़वारा स्टेशन के बीच गायत्री नगर पुलिया के पास का है। हादसे के बाद इस रूट पर ट्रेनों का आवागमन बंद है। रेलवे ट्रैक को खाली कराने के लिए रेलकर्मी मौके पर मौजूद हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के सीनियर अधिकारी भी पहुंच गए हैं।

मालगाड़ी के डिब्बे पलटने के कारण अहमदाबाद से पटना जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन को रीठी स्टेशन में रोका गया है। ट्रेन अपने निर्धारित समय साढ़े तीन बजे से एक घंटे 10 मिनट पहले से ही देरी से चल रही थी। हादसे के बाद करीब आधे घंटे से ट्रेन को रीठी स्टेशन में रोका गया है।

कटनी रेलवे स्टेशन के प्रबंधन संजय दुबे ने बताया कि कटनी-जबलपुर, कटनी-सतना, कटनी-बिलासपुर, और कटनी-सिंगरौली रेल खंड में रेल आवागमन सामान्य रूप से हो रहा है। कटनी-मुड़वारा रेल खंड बंद है। रेल ट्रैक में सुधार

कार्य कराया जा रहा है। बीना की ओर से आने और कटनी की ओर से जाने वाली ट्रेन फिलहाल नहीं हैं, जिसके कारण यात्री ट्रेन प्रभावित नहीं हो रही है। जबलपुर और सतना की जाने वाली ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर चार और पांच से निकाला जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर आने वाली सभी ट्रेनों को आउटर पर ही रोक दिया गया है। जबलपुर से वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

इधर, रेलवे के एरिया मैनेजर रोहित सिंह ने बताया कि पटरी से उतरे डिब्बों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है। रेल प्रशासन का प्राथमिक लक्ष्य जल्द से जल्द रेल यातायात को सामान्य करना है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। रेल अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी।

सीएम की घोषणा : अंगदान करने वालों को मिलेगा आयुष्मान कार्ड

अंगदान पर मिलेगा राजकीय सम्मान, मुख्यमंत्री हार्ट ट्रांसप्लांट के मरीज से मिले, जनता से भी की अपील

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को एम्स भोपाल में 16 दिन पहले हृदय प्रत्यारोपण (हार्ट ट्रांसप्लांट) करवाने वाले मरीज दिनेश मालवीय से मुलाकात की। उन्होंने मरीज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और कहा कि यह सफल ट्रांसप्लांट अंगदान के महत्व को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार अंगदान और देहदान को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लागू करेगी।

अंगदान करने वालों को मिलेगा राजकीय सम्मान- मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान करने वाले व्यक्तियों को राजकीय सम्मान दिया जाएगा। इसके तहत, मृतक के परिवार की सहमति से उनके पार्थिव शरीर को उचित चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाया जाएगा और अंतिम संस्कार के समय राजकीय

सम्मान दिया जाएगा। इसके अलावा, यदि अंगदान करने वालों के पास 'आयुष्मान कार्ड' नहीं है, तो सरकार इसे बनवाने में मदद करेगी। राष्ट्रीय पर्वों पर ऐसे लोगों को सम्मानित करने का भी प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश में स्थापित होगा अंग प्रत्यारोपण संस्थान- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए एक राज्य स्तरीय संस्थान स्थापित किया जाएगा, जिससे मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान और प्रत्यारोपण की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मरीजों के शीघ्र इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस और हेलिकॉप्टर सेवाओं का विस्तार करेगी, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

एम्स ने सरकार को लिखा पत्र : हार्ट ट्रांसप्लांट आयुष्मान योजना में कवर हो

एम्स भोपाल ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आयुष्मान योजना में हार्ट ट्रांसप्लांट को जोड़ने का सुझाव दिया है। जिससे ज्यादा से ज्यादा आर्थिक रूप से कमजोर मरीज इसके दायरे में आ सकें। यहां बातें एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने शनिवार को प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि जिस मरीज में गुरुवार को हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया, उसने होश में आते ही डॉक्टरों को अंगूठा दिखा कर आभार व्यक्त किया। यह ट्रांसप्लांट पूरे प्रदेश के लिए बेहद खास है। क्योंकि राज्य का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट है, जिसमें विशेषज्ञों की टीम से लेकर मशीनरी सब हमारी अपनी थी। इससे पहले जो राज्य में हार्ट ट्रांसप्लांट हुआ उसमें मशीन से डॉक्टर तक दूसरे राज्य से आए थे।

एम्स के डॉक्टरों को बधाई, जनता से की अपील

मुख्यमंत्री ने एम्स भोपाल के डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों को हृदय प्रत्यारोपण की इस सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने जनता से अपील की कि अधिक से अधिक लोग अंगदान और देहदान के लिए आगे आएं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके और चिकित्सा विज्ञान को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में जनजागरूकता अभियान भी चलाएगी।

भोपाल में दो बाइकों की भिड़ंत में 3 की मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित हरीपुरा गांव में दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मामा-भांजे सहित तीनों लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत नाजुक है। उसका इलाज आनंद नगर स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है।

हादसा रविवार देर रात का है। तीनों बॉडी का एक साथ हमीदिया अस्पताल की मॉर्चुरी में सोमवार दोपहर को पीएम कराया गया है। तीनों बॉडी परिजनों के सुपुर्द कर दी गई हैं। पुलिस के मुताबिक अर्जुन बंजारा पुत्र फूल

सिंह बंजारा (18) निवासी देवगढ़ नरसिंहगढ़ 12 वीं के बाद पढ़ाई छोड़ चुका था। पिता के साथ खेतों में मेहनत मजदूरी करता था। रविवार की शाम को अपने गांव से भोपाल के हरीपुरा गांव में रहने वाली बड़ी बहन सीमा के घर बाइक पर सवार होकर आया था। उसके साथ दोस्त आकाश बंजारा भी था। शाम 6 बजे दोनों दोस्त बहन के घर पहुंचे। यहां से रात दस बजे गांव लौटने के लिए बाइक पर सवार होकर निकले।

कुछ ही दूरी पर रिश्तेदारों की बाइक से टकराए- दोनों दोस्त गांव से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे, तभी सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। दोनों बाइके हादसे के समय तेज रफ्तार में थीं। इत्तफाक से दूसरी बाइक पर अर्जुन का मामा गोपाल सवार था और वही गाड़ी चला रहा था।

उनकी बाइक पर पीछे रामजी बंजारा (55) बैठे थे। घटना के समय तीनों हैलमेट नहीं लगाए थे और तीनों के सिर में गंभीर चोट आई। रामजी गांव के छोटे किसान थे, वहीं गोपाल ड्राइवरी करता था।

दिल्ली कूच की तैयारी !

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी की तैयारी चल रही है, किसी बीच मध्य प्रदेश के एक कद्दावर नेता दिल्ली कूच की तैयारी में लग गए हैं। सूत्र बताते हैं कि कई कारणों से कद्दावर नेता का सरकार के कामकाज में मन नहीं लग रहा है और वह

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

राष्ट्रीय संगठन में किसी ओहदे के महत्वाकांक्षी हैं। इसी क्रम में पिछले दिनों उन्होंने दिल्ली प्रवास के दौरान पार्टी के वरिष्ठ दिग्गज नेताओं से मुलाकातों का दौर भी किया। जिसमें उन्हें राष्ट्रीय संगठन में ओहदेदारी का आश्वासन भी मिला। बता दें कि यह कद्दावर नेता मालवा क्षेत्र से आते हैं और पहले पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पद पर रहे और अपनी पार्टी में मिली जिम्मेदारी का लोहा भी मनवाया।

आईपीएस के अलग-अलग फोटोग्राफर्स

लाइट.....कैमरा.....ओके....., कमोवश ऐसा ही कुछ नजारा मध्य प्रदेश आईपीएस ऑफिसर्स मीट में दिखाई दिया। आईपीएस सर्विस मीट में कई अधिकारियों ने अपने-अपने फोटोग्राफर हायर किए। 2 दिन के आयोजन में अधिकारियों ने जहां पहले दिन प्रदेश में पुलिसिंग पर चर्चा की, वहीं अगले दिन स-परिवार कई कार्यक्रमों का आनंद उठाया। सर्विस मीट के दौरान अफसर के फोटोग्राफर जगह-जगह फ्लैश चमकते रहे। बताया जाता है कि आईपीएस अफसर और उनके परिवार के सदस्यों के पास नामी कम्पनियों महंगे मोबाइल तो थे लेकिन इन मोबाइल से फोटो क्लिक करना उनकी शान के खिलाफ रहता। तो फिर क्या था ? उच्च स्तर से हुये निर्देश। अफसरो के अलग-अलग फोटोग्राफर हायर किये, लेकिन इन फोटोग्राफर्स को हायर करने का जिम्मा राजधानी के कुछ थाना प्रभारी के पास था जिन्होंने बाकायदा फोटोग्राफरों को हायर कर भुगतान भी किया। यह बात अलग है कि आईपीएस सर्विस मीट में उद्घाटन समारोह से लेकर अन्य आयोजनों के दौरान मीडिया और मीडिया के फटॉग्रफर्स की एंट्री प्रतिबंधित रही। जब इसका कारण खोजा गया तो यह बात सामने आएगी पिछले आईपीएस ऑफीसर्स मीट एक कार्यक्रम की मीडिया में जमकर आलोचना हुई थी।

गरीबों का पक्ष लेने पर सस्पेंड

बुंदेलखंड के एक जिले में गरीबों का पक्ष लेने पर कलेक्टर ने एक तहसीलदार को सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड का आधार राजस्व अभियान में खराब परफॉर्मेंस बताया गया है। सूत्र बताते हैं कि कलेक्टर महोदय ने तहसीलदार को एक शिकायत के आधार पर गरीबों की कुछ कुटिया-झुग्गी हटाने का मौखिक आदेश दिया था। जांच उपरांत तहसीलदार ने पाया कि गरीबो की कुटिया वहां सालों से है और वह जैसे तैसे अपना शांतिपूर्वक गुर्जर बसर कर रहे हैं। तहसीलदार ने इसकी जानकारी दी और गरीबों का पक्ष लिया तो कलेक्टर महोदय उखड़ गए और तहसीलदार को राजस्व अभियान में खराब परफॉर्मेंस के कारण सस्पेंड कर दिया। तहसीलदार ने सस्पेंशन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है जहां से हाईकोर्ट में विभाग को इस मसले में एक माह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

चौंकाने वाला होगा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष को लेकर कयासों का दौरा चल रहा है इन सब के बीच मध्य प्रदेश में अध्यक्ष किसी सांसद को बनाया जाना है, यह तय है। लेकिन वह सांसद कौन होगा इस पर अभी फैसला होना है? सूत्र बताते हैं की रायशुमारी संगठन ने पूरी कर ली है और प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर अंतिम निर्णय दिल्ली के केंद्रीय आलाकमान को लगाना है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश में जिस तरह सरकार के मुखिया का नाम चौंकाने वाला रहा, उसी तरह प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष का नाम भी चौंकाने वाला होगा? संगठन प्रदेश में किसी युवा सांसद को यह मौका दे सकती है ?

कलेक्टर के तबादले का इंतजार !

ग्वालियर चंबल संभाग के एक जिले के कलेक्टर के तबादले की राजनेताओ को खासकर विपक्ष के नेताओं ने बड़ी शिद्दत से इंतजार कर रहे हैं। बताया जाता है कि कलेक्टर ने अपने कार्यकाल के दौरान हुए रेत- शराब माफियाओं पर न केवल शिकंजा कैसा है बल्कि कलेक्टर साहब ने जिले में राजस्व हमले को भी कसने का काम किया है। कांग्रेस के एक नेता तो कलेक्टर की शिकायत करने भोपाल तक आए और उन्हें निराशा ही हाथ लगी। हाल ही में रेत माफिया ने भी कलेक्टर साहब के अमले पर हमले का प्रयास किया था, लेकिन लेकिन कलेक्टर साहब वहां से जा चुके थे अब पुलिस प्रशासन रेत-शराब माफिया पर और शिकंजा कसने जा रहा है।